



डायमण्ड
कॉमिक्स

751 8.00

महाबिली शाकी और

शैतान से मुठभेड़



मुफ्त
स्टिकर
इस कॉमिक
के साथ

प्रस्तुत करते हैं

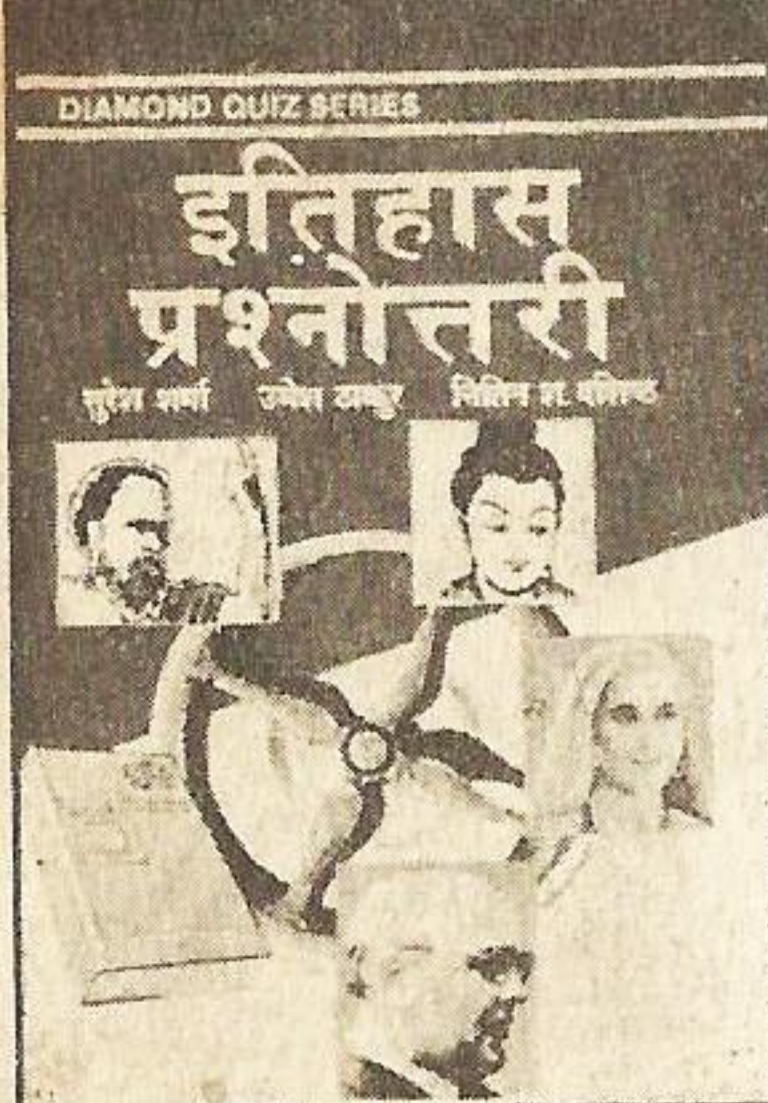
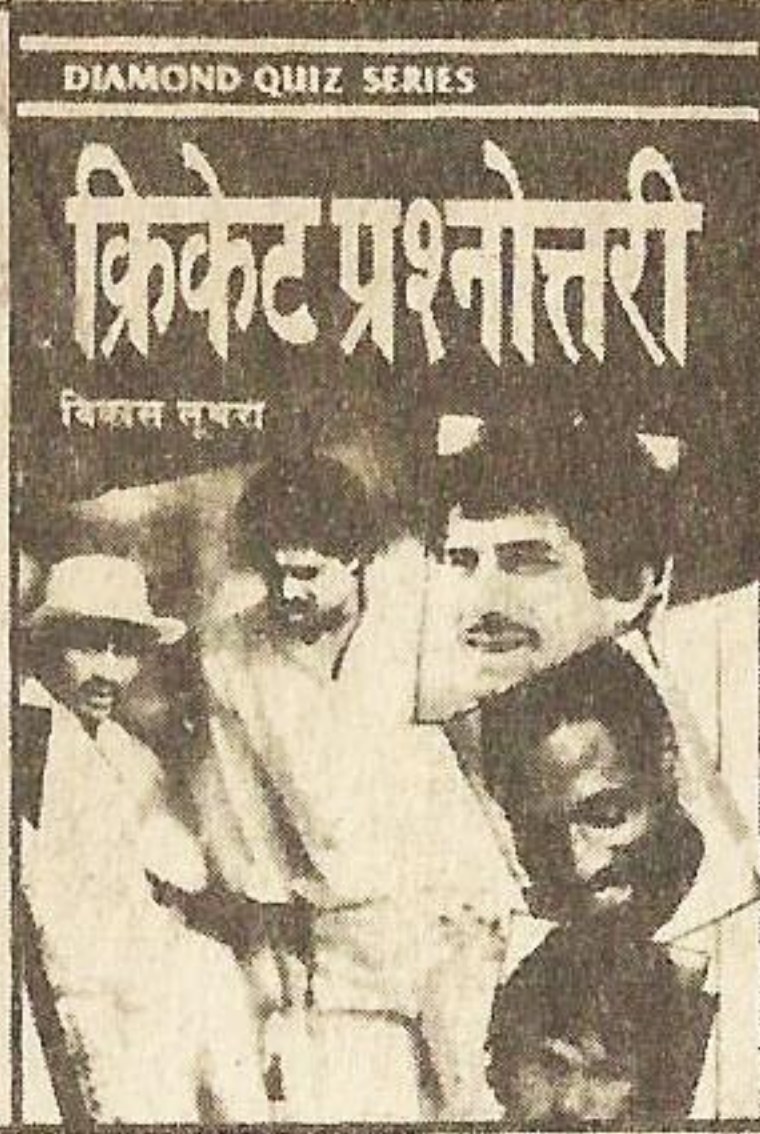
Diamond Quiz Series में प्रकाशित

क्रिकेट प्रश्नोत्तरी

लेखक : विकास लूथरा

मातृभाषा हिन्दी में अपनी तरह की पहली किताब जिसमें समूचे क्रिकेट जगत को 2000 से भी अधिक प्रश्नों और उनके उत्तरों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। क्रिकेट के हर सवाल का तुरन्त जवाब आप इस पुस्तक से प्राप्त कर सकते हैं।

मूल्य 20/- डाक व्यय 5/-



इतिहास प्रश्नोत्तरी

लेखक : सुरेश शर्मा, उमेश ठाकुर और नितिन श. वशिष्ठ

इतिहास मानव जाति की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति का दर्पण है। हर बीता क्षण इतिहास है। मानव सभ्यता के इतिहास की सभी महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी दी गई है।

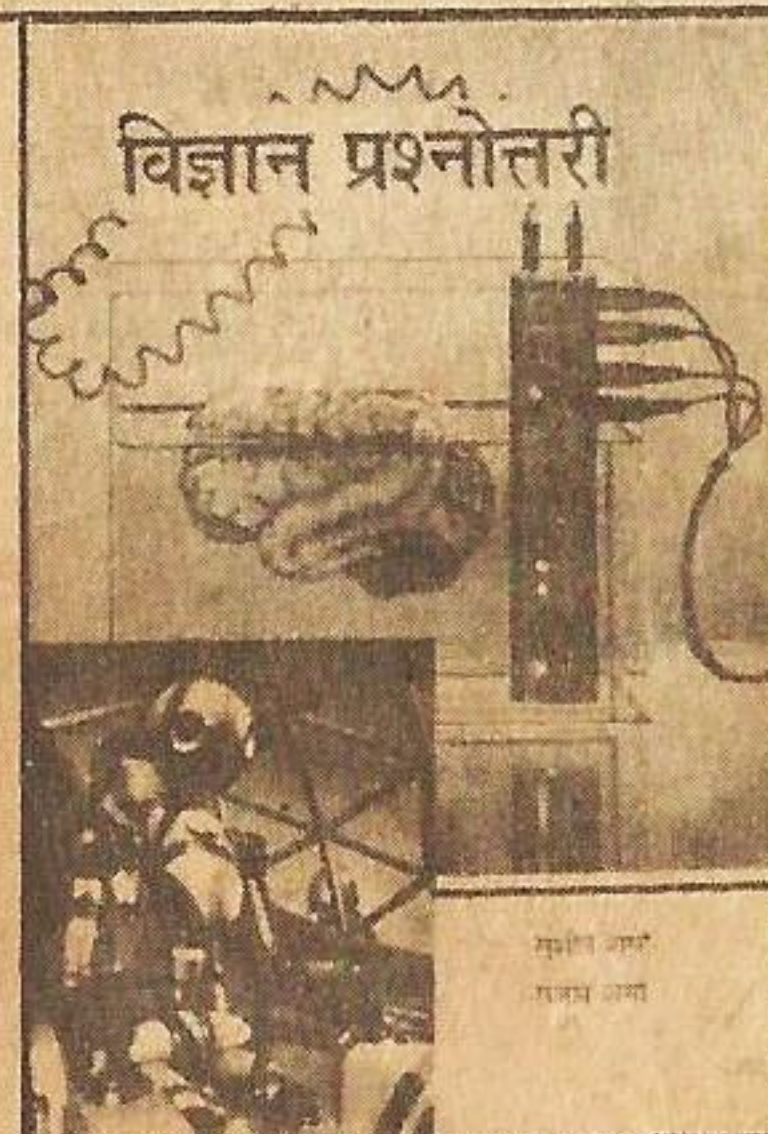
मूल्य 20/- डाक व्यय 5/-

भूगोल प्रश्नोत्तरी

लेखक : संजीव शर्मा, नितिन श. वशिष्ठ

मानव हमेशा से ही प्रकृति के रहस्यों को जानने के लिए जिज्ञासु और तत्पर रहा है। मानव के यह अथक प्रयास का परिणाम है कि हम पृथ्वी तो क्या अन्य ग्रहों के विषय में भी थोड़ा बहुत जान गए हैं। भूगोल प्रश्नोत्तरी आपके हर सवाल का जवाब है।

मूल्य 20/- डाक व्यय 5/-



विज्ञान प्रश्नोत्तरी

लेखक : सुशीला शर्मा, संजीव शर्मा

विज्ञान से सम्बन्धित अनेक रोचक, रोमांचक और जिज्ञासा भरे प्रश्न तथा उनके ज्ञानवर्धक उत्तर। विज्ञान के हर विद्यार्थी के लिए पठनीय व संग्रहणीय।

मूल्य 20/- डाक व्यय 5/-

आगामी प्रकाशन

- राजनैतिक प्रश्नोत्तरी ● खेलकूद प्रश्नोत्तरी ● मनोविज्ञान प्रश्नोत्तरी
- सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी ● साहित्य कला संस्कृति प्रश्नोत्तरी

डायमण्ड कॉमिक्स में



श्रीमतीजी और उसके पति किशोर की हंसाने और गुदगुदाने वाली नोकझोंक पूरे परिवार के लिए स्वस्थ मनोरंजन भरी रंगीन कॉमिक

श्रीमतीजी और तोहफा आकर्षक स्टिकर मुफ्त!

नये डायमण्ड कॉमिक्स 1 नवम्बर 93 को प्रकाशित

प्राण का—श्रीमतीजी और तोहफा (स्टिकर फ्री)	8.00
महाबली शाका और मैग्नेटो (स्टिकर फ्री)	8.00
चाचा भतीजा और नागिन का इंतकाम (स्टिकर फ्री)	8.00
लम्बू मोटू और क्लायमैक्स की चोरी (स्टिकर फ्री)	8.00
पलटू और चोर कौन (स्टिकर फ्री)	8.00
ताऊजी और भगोड़ी आत्मा (स्टिकर फ्री)	8.00

NEW DIAMOND COMICS (1st NOV. 93)

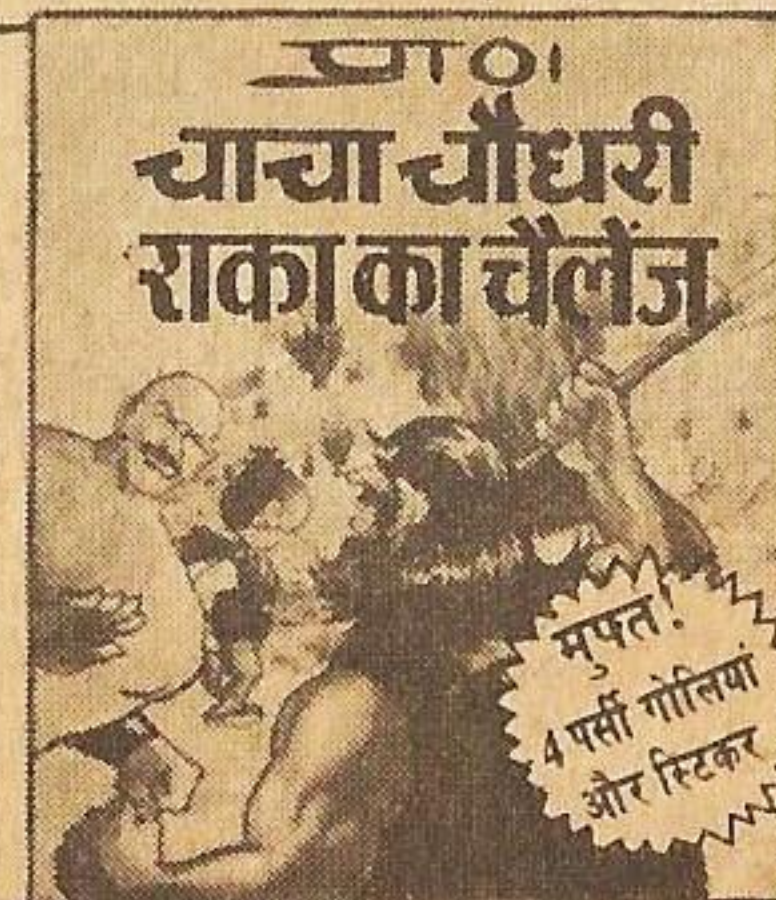
Pran's— Shrimatiji & Gift (Sticker Free)	8.00
Mahabali Shaka & Magneto (Sticker Free)	8.00
Chacha Bhatija & The Vengeance of a Snake (Sticker Free)	8.00
Lambu Motu & The Theft of Climax (Sticker Free)	8.00
Tauji & The Spirit of an Absconder (Sticker Free)	8.00

नये डायमण्ड कॉमिक्स 15 नवम्बर 93 को प्रकाशित

प्राण का—रमन और रामलीला (स्टिकर फ्री)	8.00
प्राण का—दाबू और देव (स्टिकर फ्री)	8.00
चाचा भतीजा और इंतकाम का अंजाम (स्टिकर फ्री)	8.00
राजन इकबाल और चलता फिरता कब्रिस्तान (स्टिकर फ्री)	8.00
फौलादी सिंह और झणाक्षक (स्टिकर फ्री)	8.00
जेम्स बाण्ड-15 (स्टिकर फ्री)	8.00
मैण्ड्रेक-15 (डाइजेस्ट) (स्टिकर फ्री)	15.00

NEW DIAMOND COMICS (15th NOV. 93)

Pran's—Raman & Ramlila (Sticker Free)	8.00
Pran's—Daabu & Dev (Sticker Free)	8.00
Chacha Bhatija & The Consequence of Vengeance (Sticker Free)	8.00
Fauladi Singh & Jhanakshak (Sticker Free)	8.00
James Bond-15 (Sticker Free)	8.00
Mandrake-15 (Digest) (Sticker Free)	15.00



डायमण्ड कॉमिक्स का सुपरहिट 800 वां अंक कार्टूनिस्ट प्राण का चाचा चौधरी राका का चैलेंज

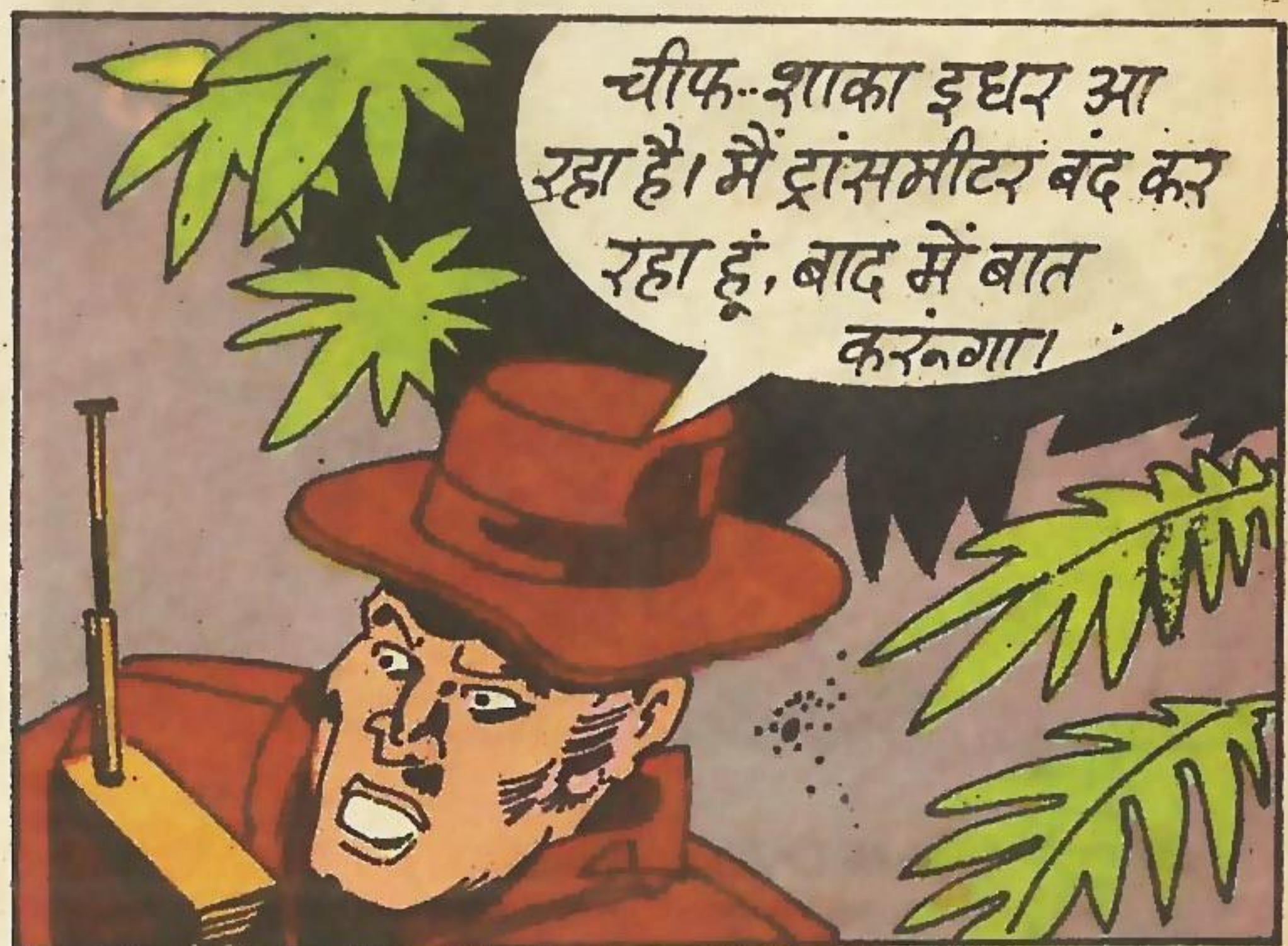
डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

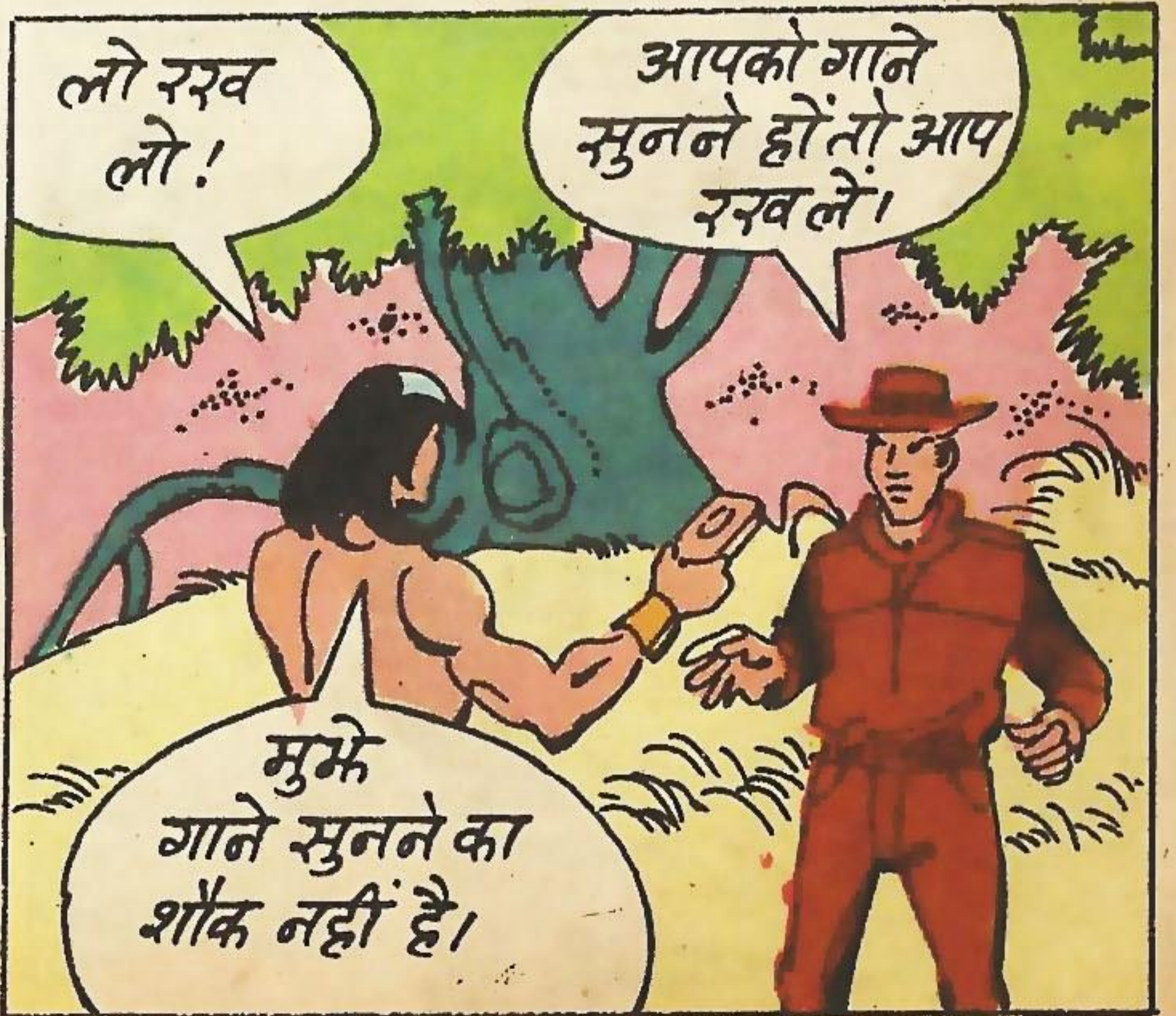
महाबली शाका

ऑर शैतान से मुठभेड़

सम्पादक: गुलशन राय कलाकार: सुरेन्द्र सुमन कथा: जमीर

'किडनी के चोर' में आपने पढ़ा कि किडनी-चोर हार्डी और डा० सोलोमन कोसिमा के बीहड़ों में आकर उत्पात मचाते हैं। उनके कारनामों से अन्यायक आदि-वासियों के पेट में असहनीय पीड़ा होने लगती है। कबीले के वैद्य कुछ नहीं कर पाते, उल्टे वैद्य के ही पेट में पीड़ा उठने लगती है। सरदार भी पीड़ा का शिकार हो जाता है। डा० सोलोमन और हार्डी मदद करने का नाटक करने कबीले में आ धमकते हैं। शाका भी घटना स्थल पर आ जाता है। उसे हार्डी पर शक हो जाता है, वह उसका पीछा करता है - अब आगे-





हार्डी ने रेडियो लेकर जेब में रखा और वहां से चल दिया।

इन विदेशियों की असलियत जानने के लिये अपनी ओर से इनका ध्यान हटाना जरूरी है। इसके लिये फिलहाल मुझे यहां से जाना पड़ेगा।



शाम को-

मि० शाका ! हॉस्पिटल तैयार हो गया है। आज्ञा होते आपरेशन शुरू किया जाये?

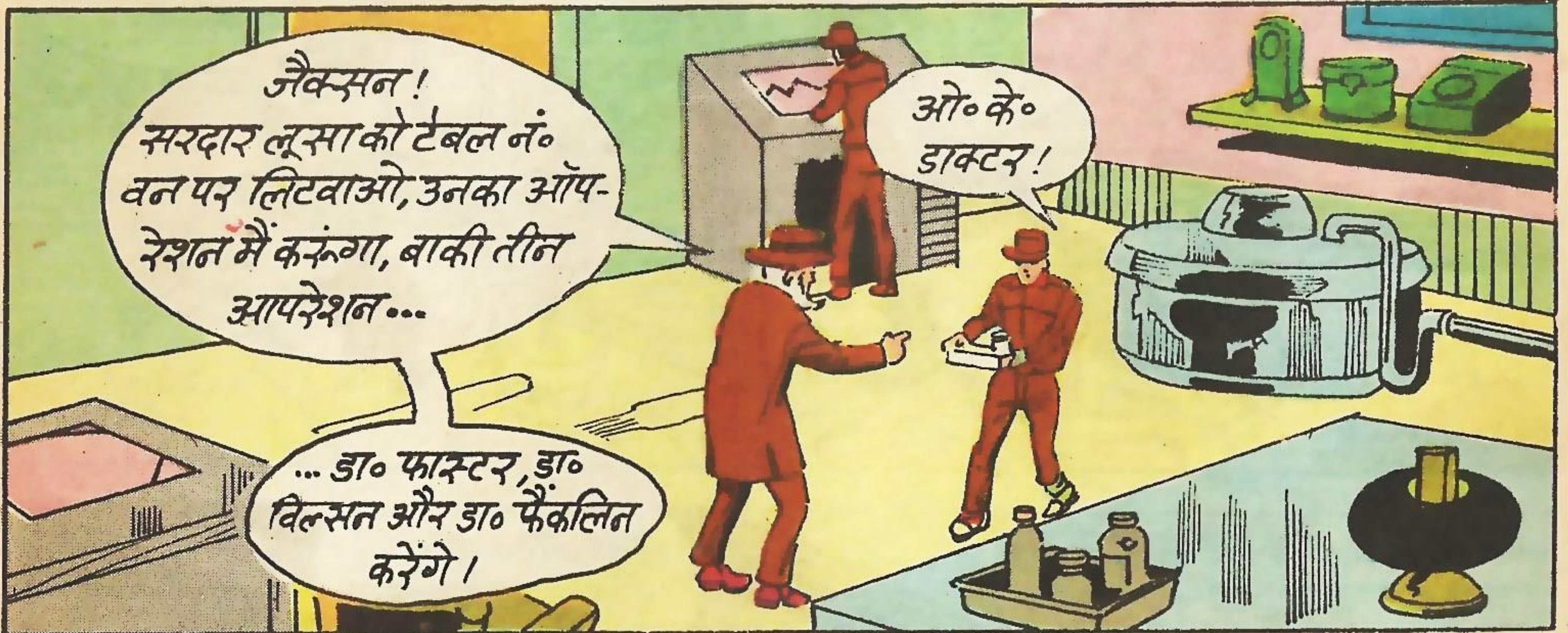
आज्ञा है!



जैक्सन ! सरदार लूसा को टेबल नं० वन पर लिटवाओ, उनका ऑपरेशन मैं करूंगा, बाकी तीन आपरेशन...

... डा० फास्टर, डा० विल्सन और डा० फैकलिन करेंगे।

ओ० के० डाक्टर!



तभी कोबरा कबीले का एक व्यक्ति भागता हुआ आया-

महाबली! कबीले के सरदार और कई लोगों के भी दर्द शुरू हो गया है।

जाकर उन्हें देखो डाक्टर!

देखने से कोई लाभ नहीं होगा। उनकी भी ऑपरेशन करना पड़ेगा, पर अभी नहीं बाद में। फिलहाल उन्हें दर्दनाशक इंजेक्शन लगावा देता हूँ।



दो घण्टे बाद—



चारों आपरेशन
कामयाब रहे, मिं
शाका! अब सरदार
लूसा और वह तीनों
आदमी बिल्कुल ठीक हैं।

दूसरे
लोगों के
आपरेशन
कब करेंगे?

चार और लोगों को बेहोशी
के इंजेक्शन लगा दिए हैं,
आधे घण्टे बाद उनका
आपरेशन शुरू हो
जायेगा।



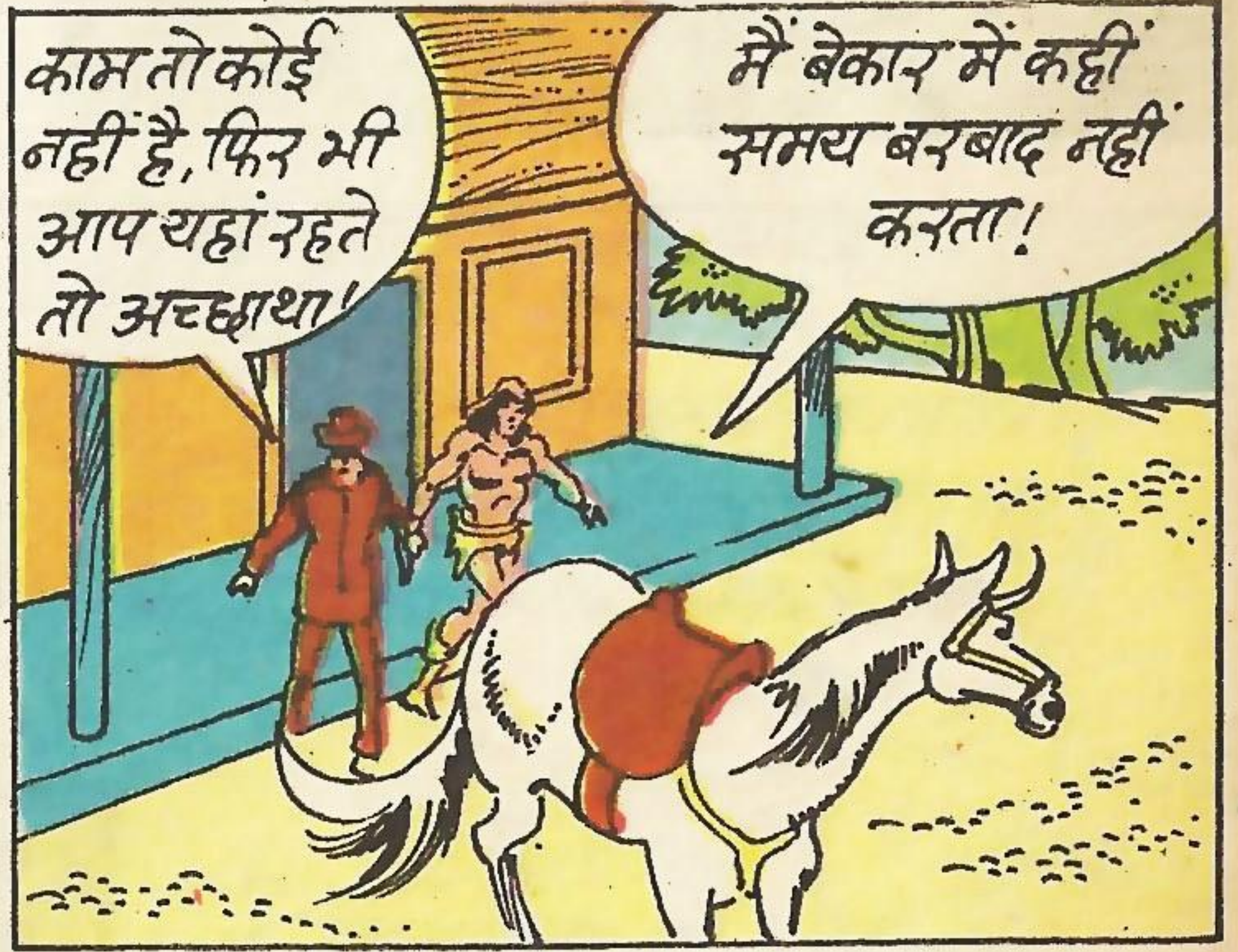
हमसे जितनी जल्दी
हो सकेगा हम सबका
आपरेशन करके उन्हें
दर्द से छुटकारा दिला
देंगे।

ठीक है, तो
फिर मुझे इजा-
जत दो. अब मेरा
यहां कोई काम
नहीं।



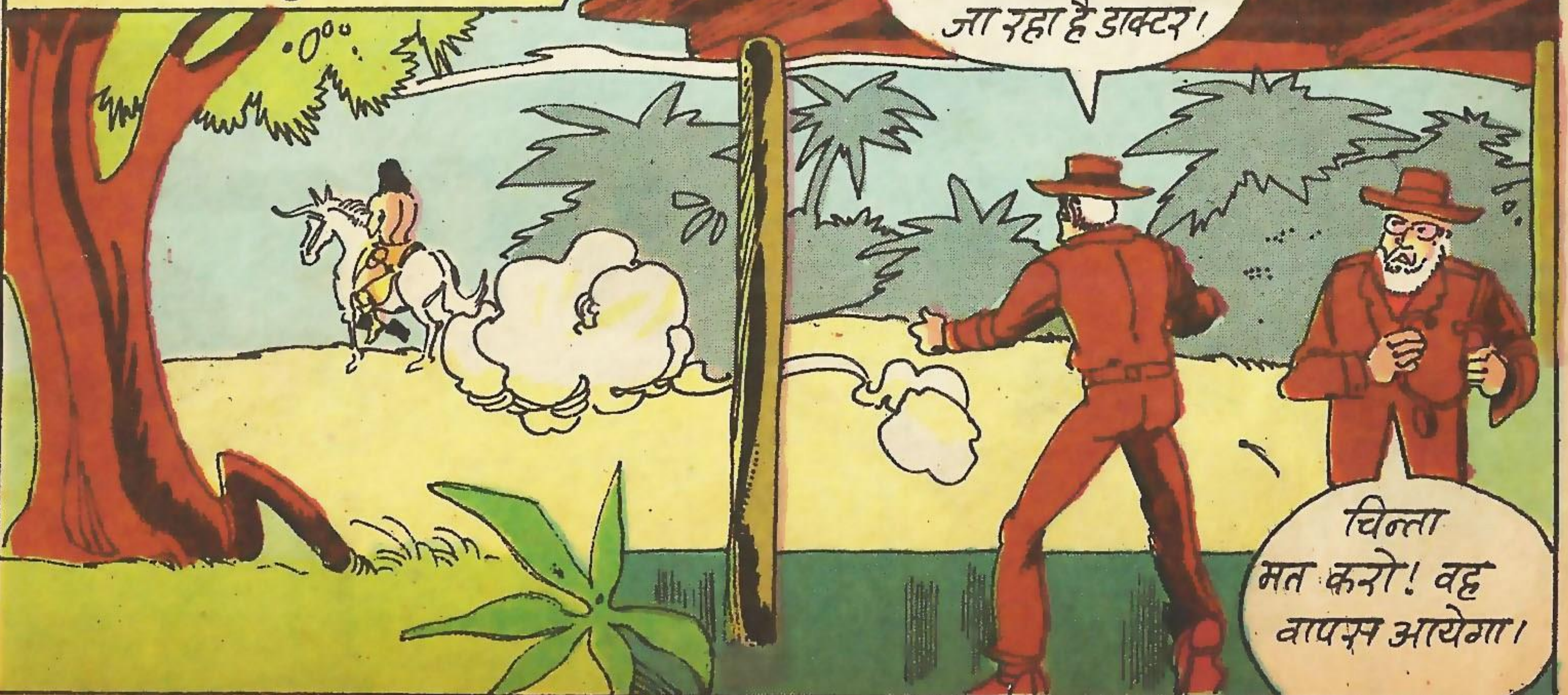
काम तो कोई
नहीं है, फिर भी
आप यहां रहते
तो अच्छा था!

मैं बेकार में कहीं
समय बरबाद नहीं
करता!



शाका के वहां से रवाना होते ही हार्डी
डाक्टर के पास पहुंचा—

एक लारव का
चैक हाथ से निकला
जा रहा है डाक्टर!



चिन्ता
मत करो! वह
वापस आयेगा।

शाका उस स्थान पर पहुंचा
जहां कोठारी कबीले वालों ने
डैरा डाल रखा था।

अब तुम
लोगों का दर्द
कैसा है?

विदेशियों के
उपचार से बहुत कम
होगया है। वरना हम तो दर्द
से मरे जा रहे थे।

उधर हास्पिटल के एक कैम्प में —

चारों पीस
अच्छी तरह पैक
कर दिये हैं न?

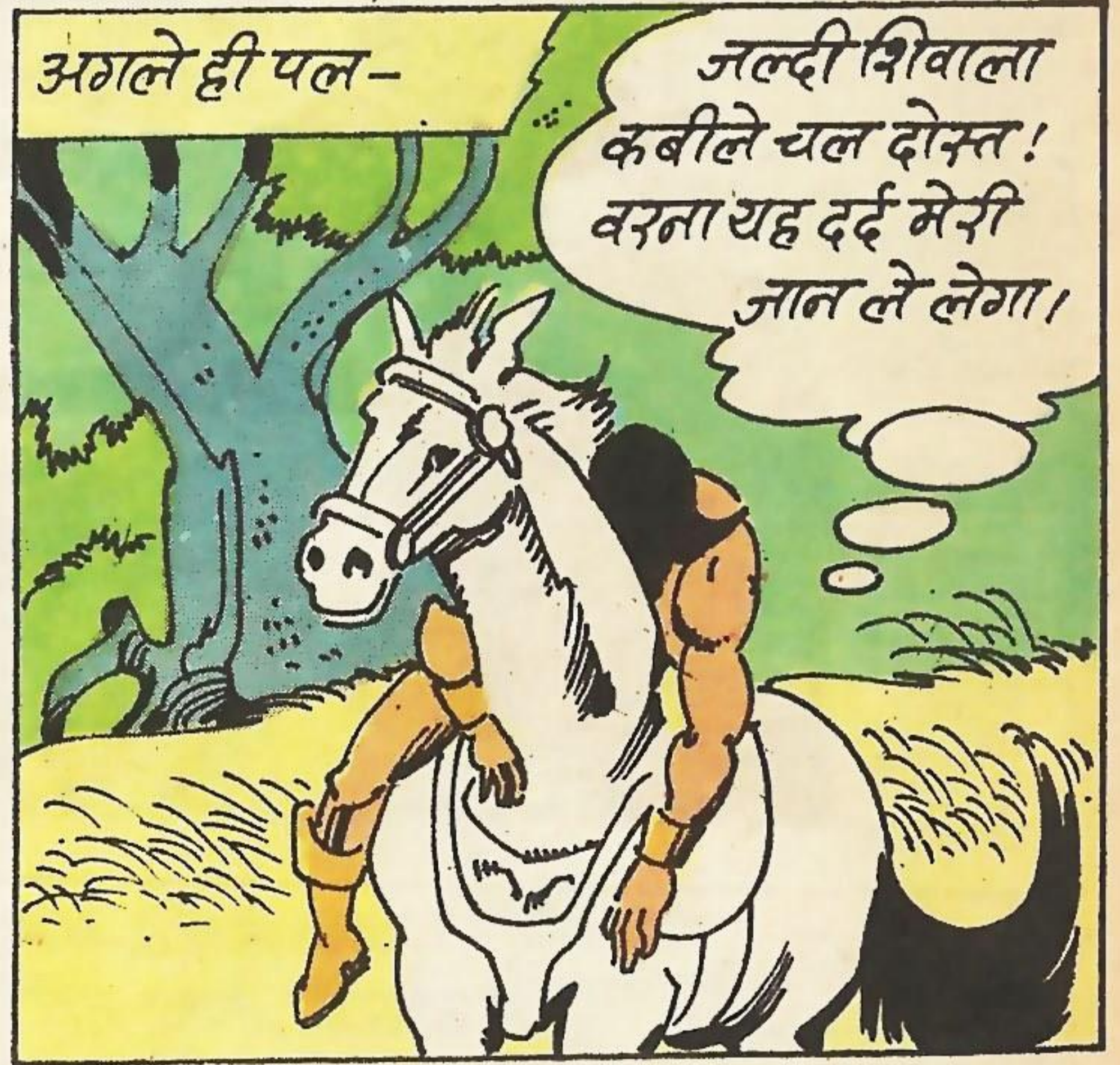
यस डा०!

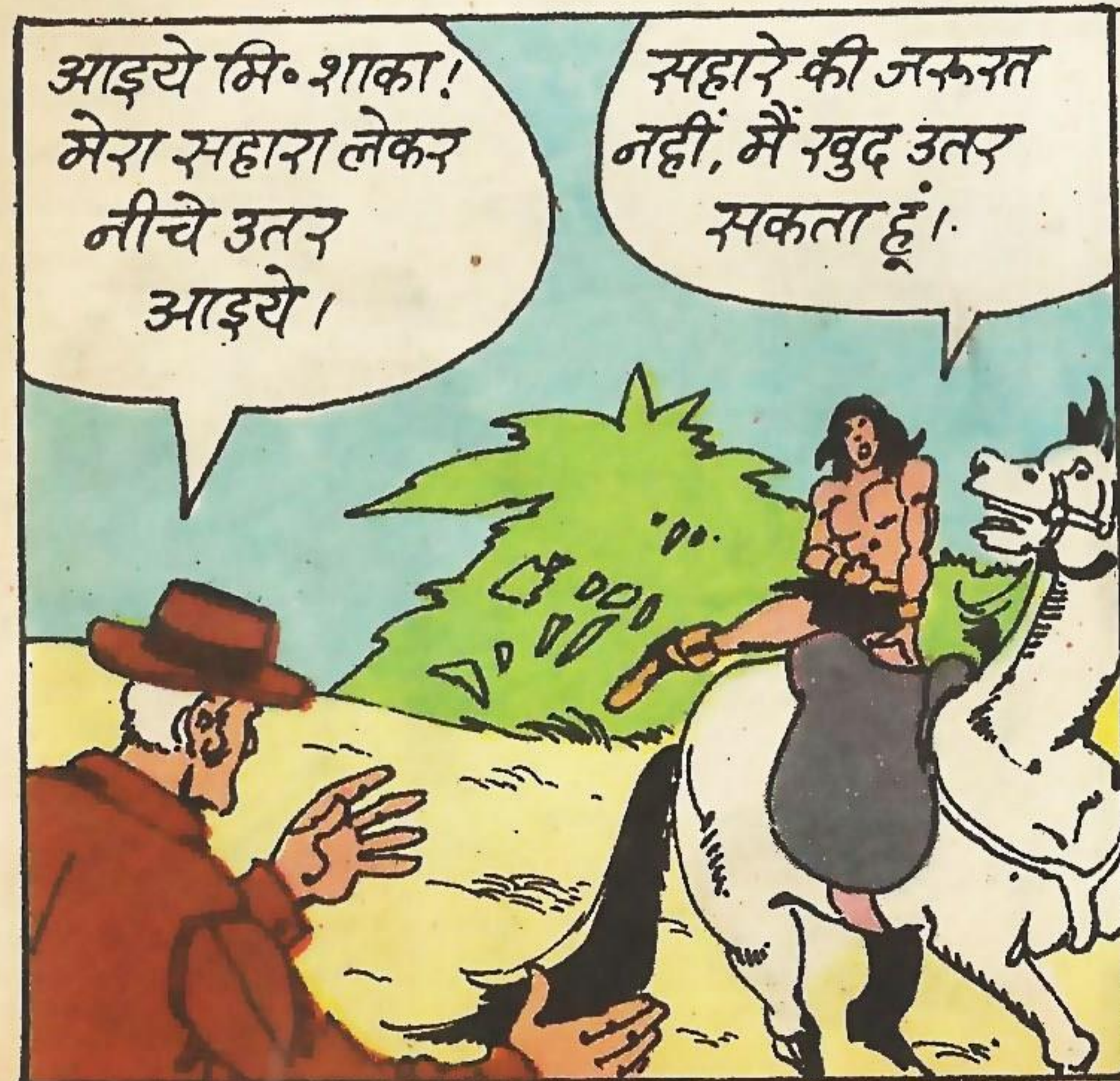
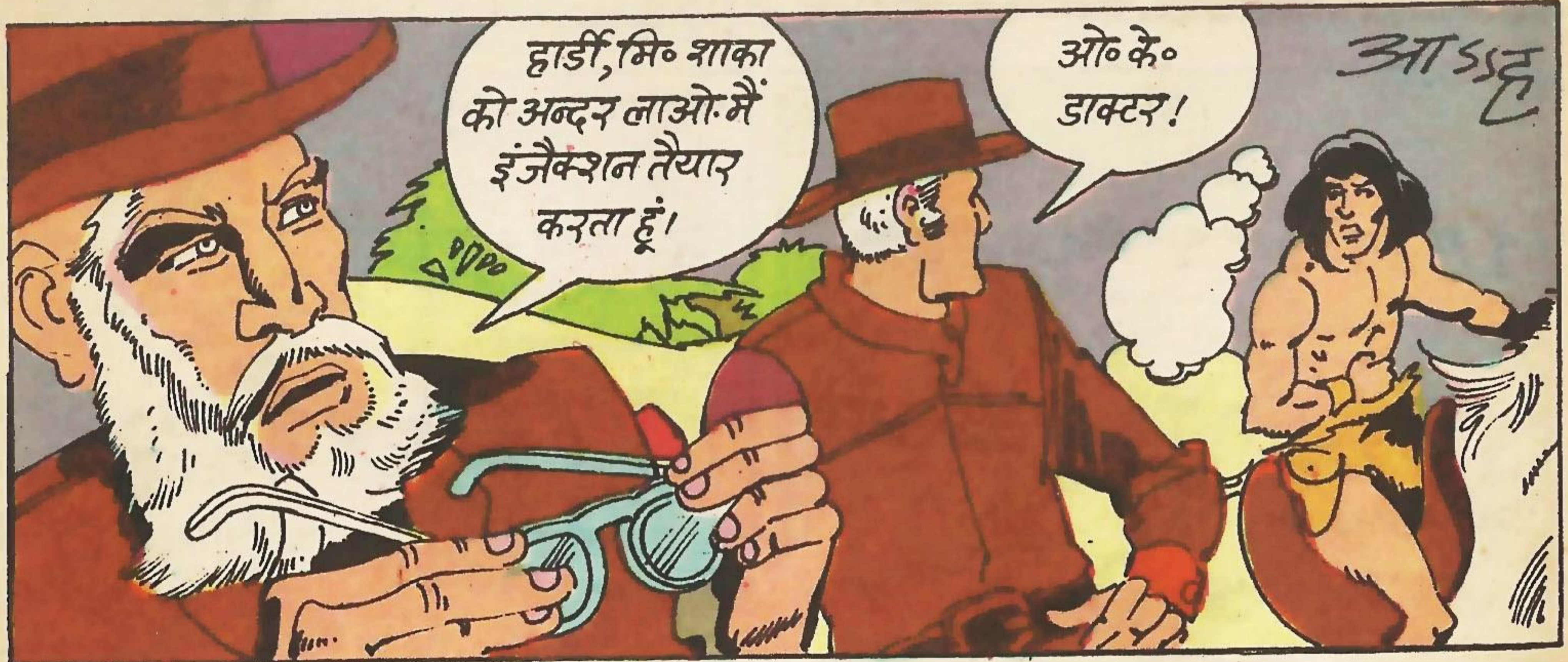
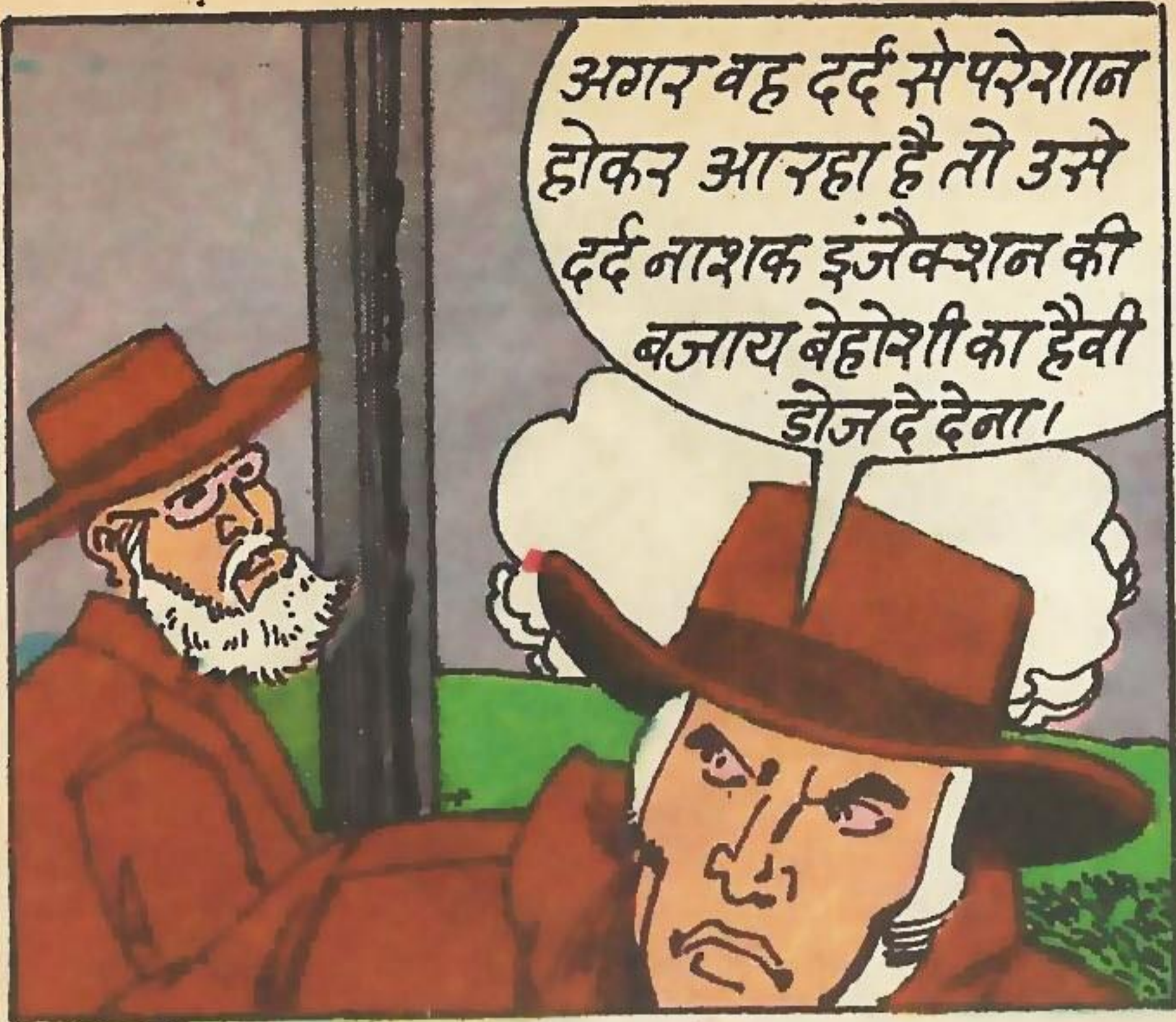
जी हां!

जाद और
लिक्विड चैक
कर लिये थे
न?

अगले दिन—

स्वरगोश के भुने हुए
मांस का जवाब नहीं, मजा आ
जाता है नाश्ते में।







बस कुछ देर बाद आपको दर्द से छुटकारा मिल जायेगा।



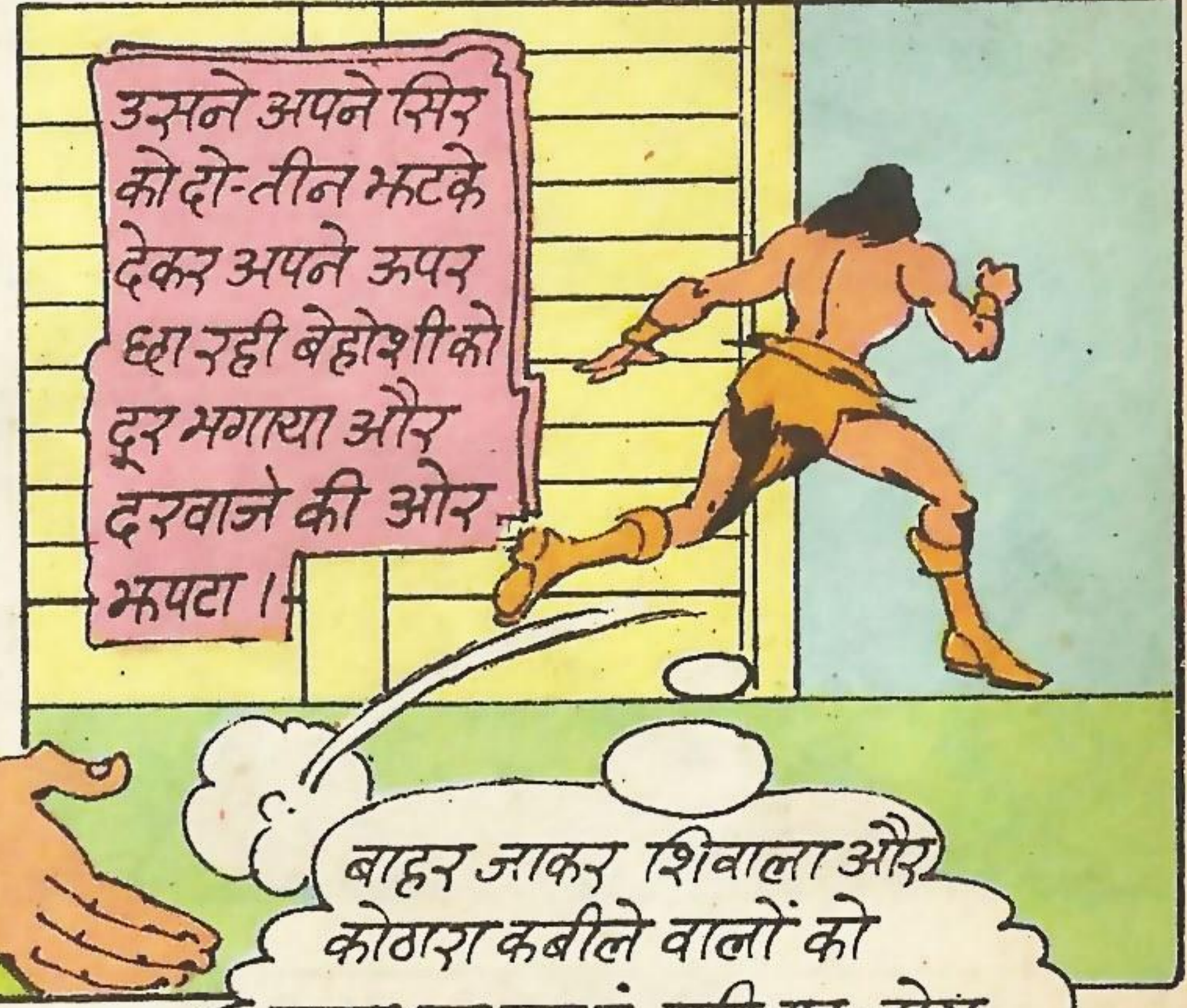
कुछ क्षणों पश्चात—

उफ़! यह क्या हो रहा है! मेरा सिर क्यों घूम रहा है?



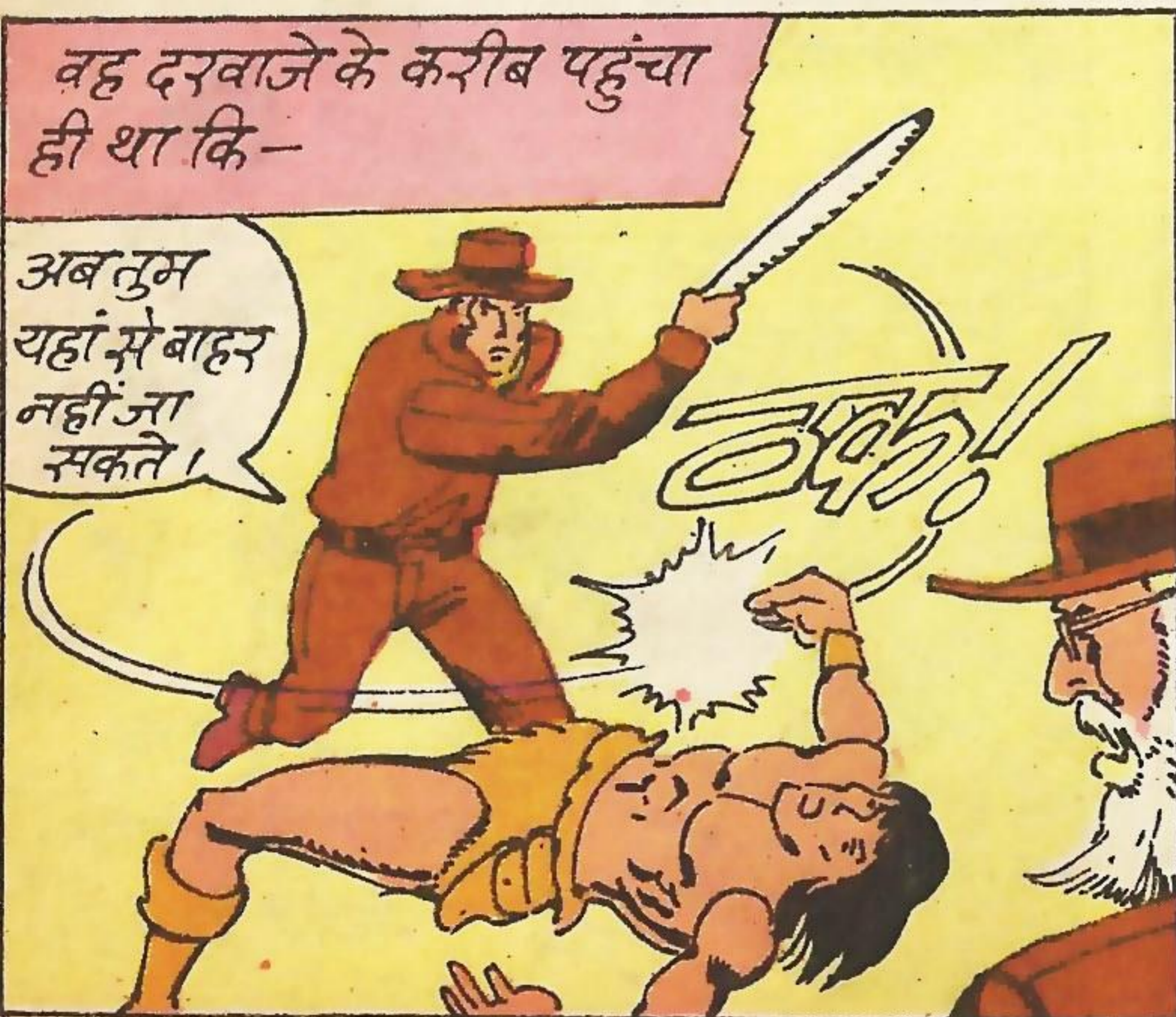
धारवा!

लगता है वह बेहोशी का इंजेक्शन था!



उसने अपने सिर को दो-तीन भटके देकर अपने ऊपर धारही बेहोशी को दूर भगाया और दरवाजे की ओर भपटा।

बाहर जाकर शिवाला और कोठारा कबीले वालों को सावधान कर दूँ ताकि यह लोग मेरे साथ कुछ गड़बड़ न कर सकें!

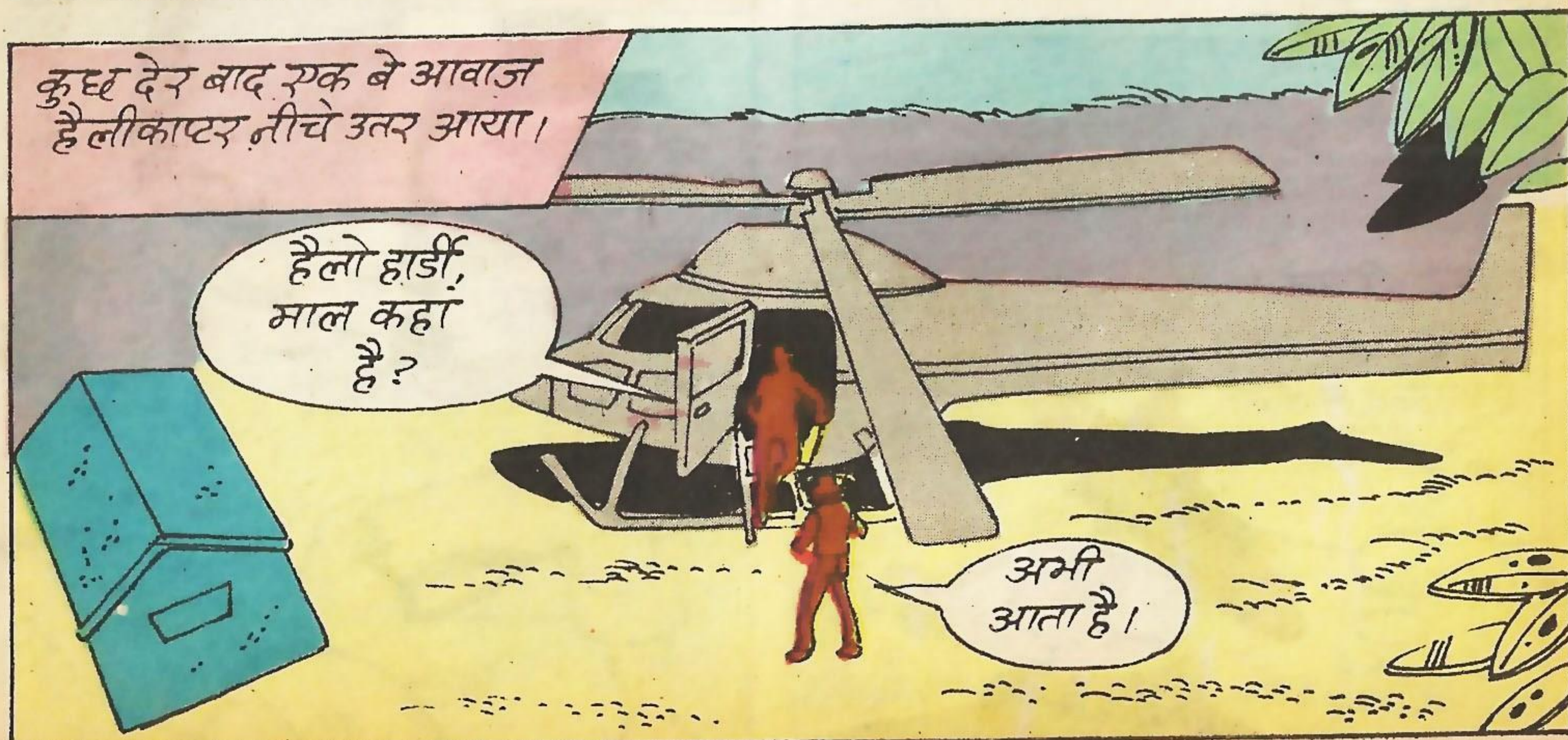
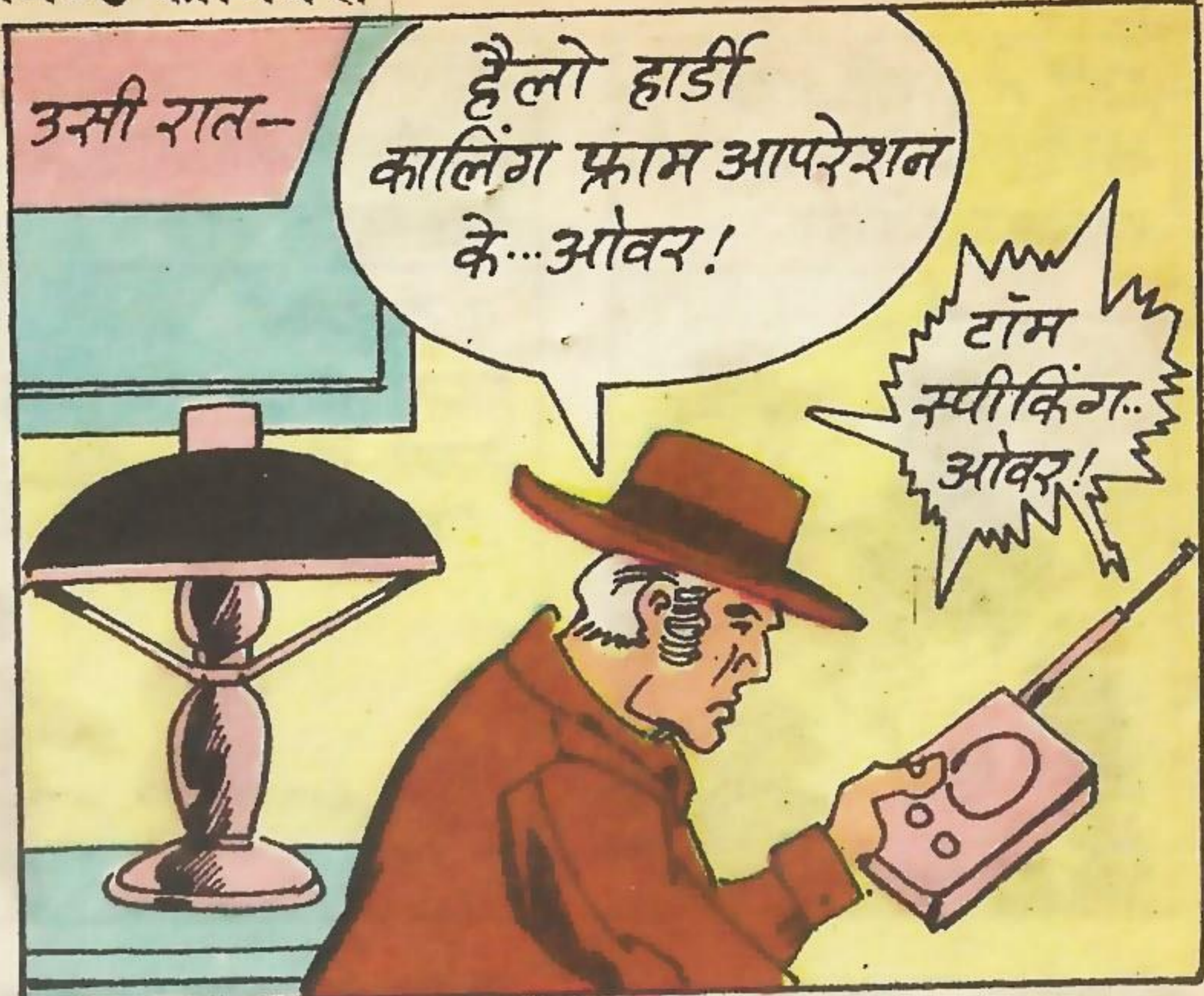


वह दरवाजे के करीब पहुंचा ही था कि—

अब तुम यहां से बाहर नहीं जा सकते!



कहो तो आपरेशन करके इसके दोनों गुर्दे बाहर निकाल लूँ?



हार्डी ने दायीं ओर
भाड़ियों की तरफ टार्च
का प्रकाश फेंका—

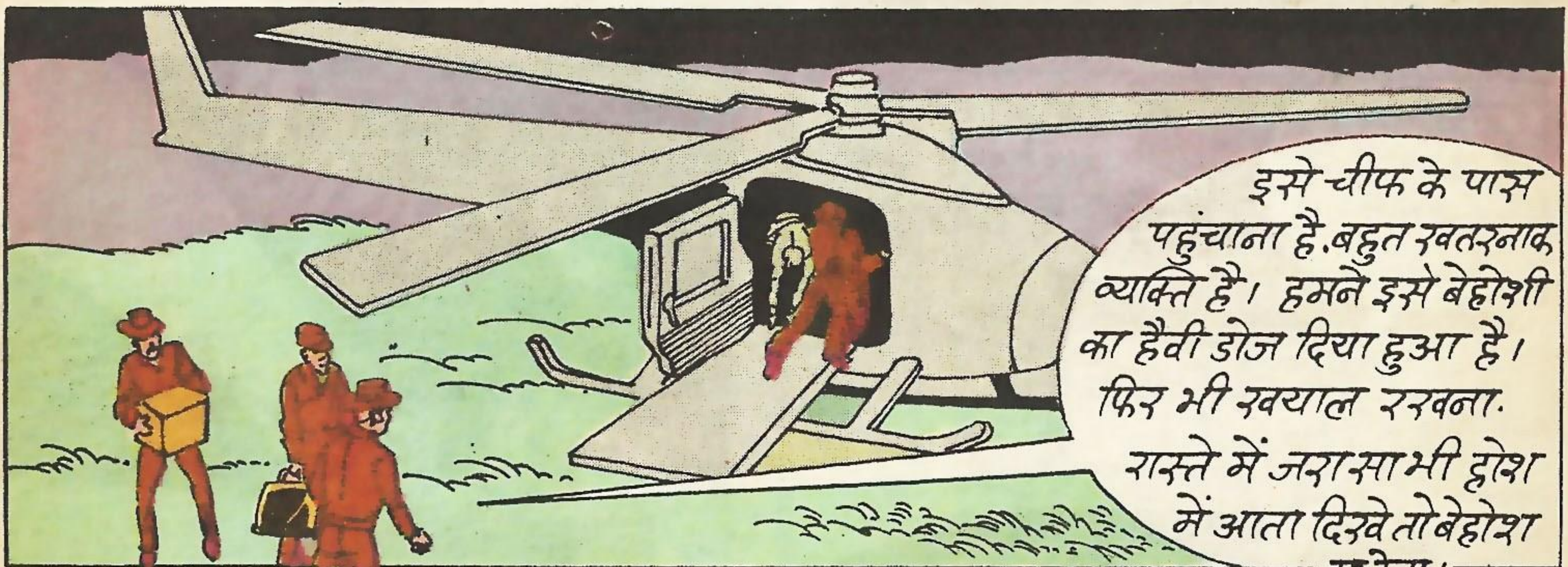


अगले ही पल तीन व्यक्ति
भाड़ियों की आड़ से निकलकर
वहां पहुंच गये।

यह तुमने
किस लाल
रखा है
जैक्सन?



यह
महाबली
शाका है।



इसे चीफ के पास
पहुंचाना है. बहुत खतरनाक
व्यक्ति है। हमने इसे बेहोशी
का हैवी डोज दिया हुआ है।
फिर भी खयाल रखना.
रास्ते में जरा सा भी दृश
में आता दिखे तो बेहोश
कर देना!

कुछ देर बाद हेलीकाप्टर वहां से
खाना हो गया।

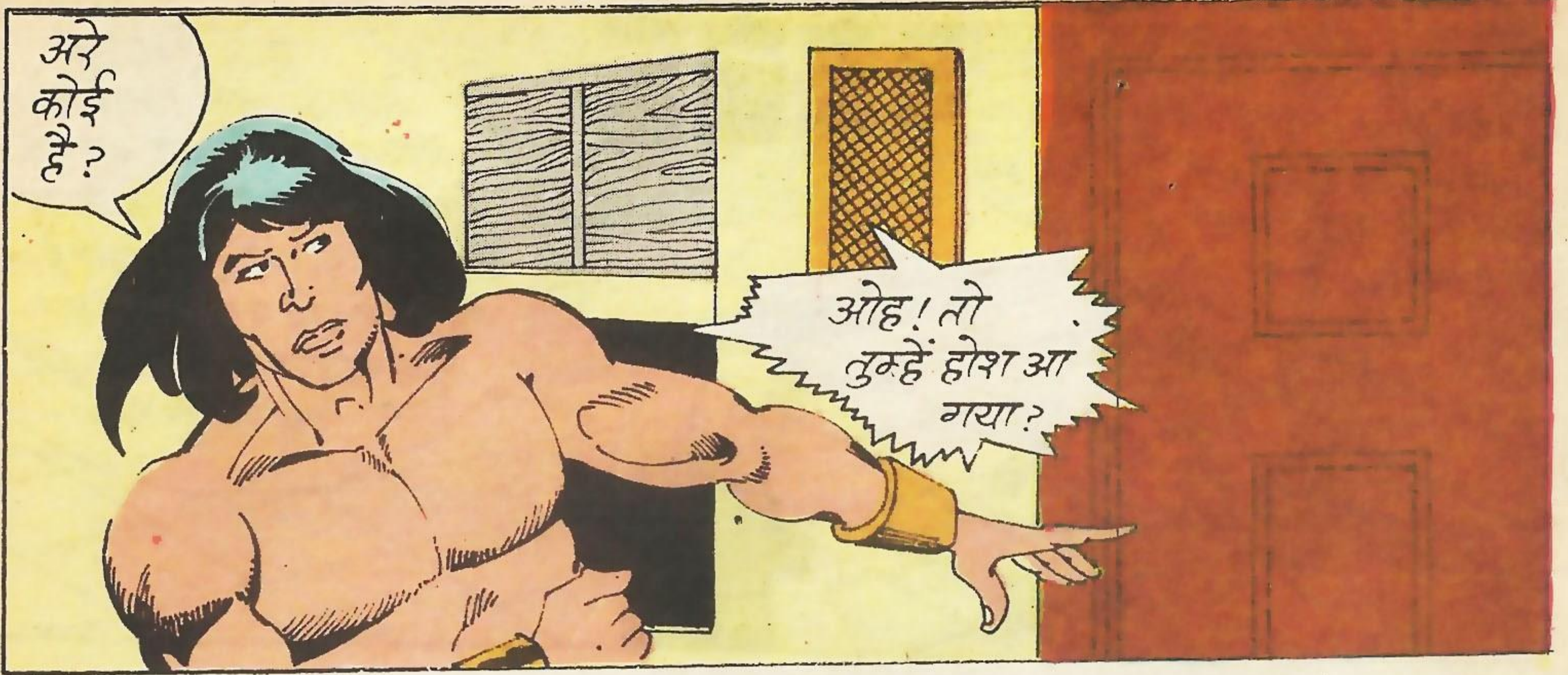


कल ही एक
लाल डालर हमारे
स्काउट में जमा
हो जायेंगे।

शाका को होश आया—



यह हॉस्पिटल
कैम्प तो है नहीं,
लगता है, मैं कहीं
और आ गया हूँ।



अरे कोई है?

ओह! तो तुम्हें होश आ गया?



कौन हो तुम? सामने आकर बात करो!

अभी हाजिर हुआ!



मैं कहां हूँ?

कुछ देर बाद कमरे का दरवाजा खोलकर एक व्यक्ति अंदर प्रविष्ट हुआ।

अमरीका में!



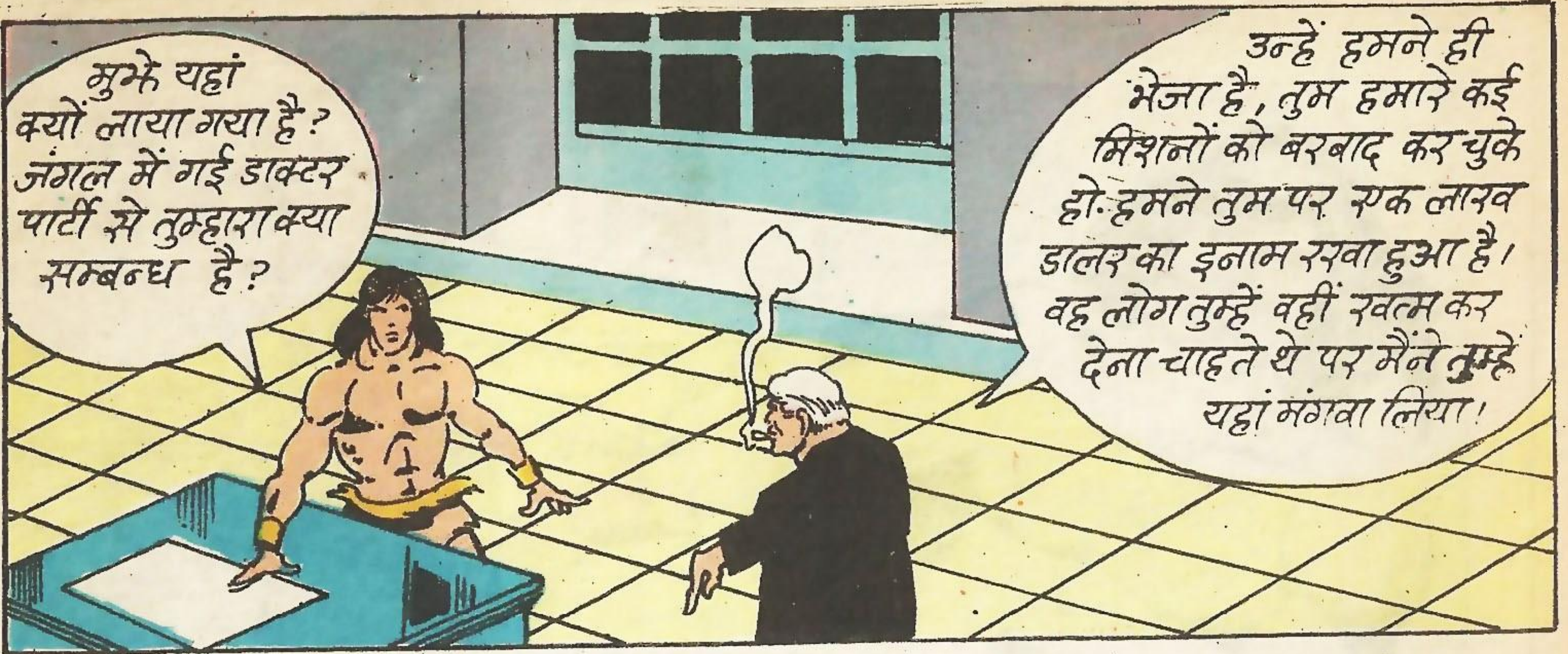
क... क्या?

अगले ही पल शाकाने अपने आश्चर्य पर काबू पा लिया।

तब तो तुम जरूर अमरीका की मशहूर संस्था सी.आई.ए. के चीफ होंगे।

बिल्कुल ठीक पहचाना, जवाब नहीं तुम्हारे दिमाग का।





मुझे यहां क्यों लाया गया है? जंगल में गई डाक्टर पार्टी से तुम्हारा क्या सम्बन्ध है?

उन्हें हमने ही भेजा है, तुम हमारे कई मिशनों को बरबाद कर चुके हो. हमने तुम पर एक लाख डॉलर का इनाम रखा हुआ है। वह लोग तुम्हें वहीं खत्म कर देना चाहते थे पर मैंने तुम्हें यहां मंगावा लिया।



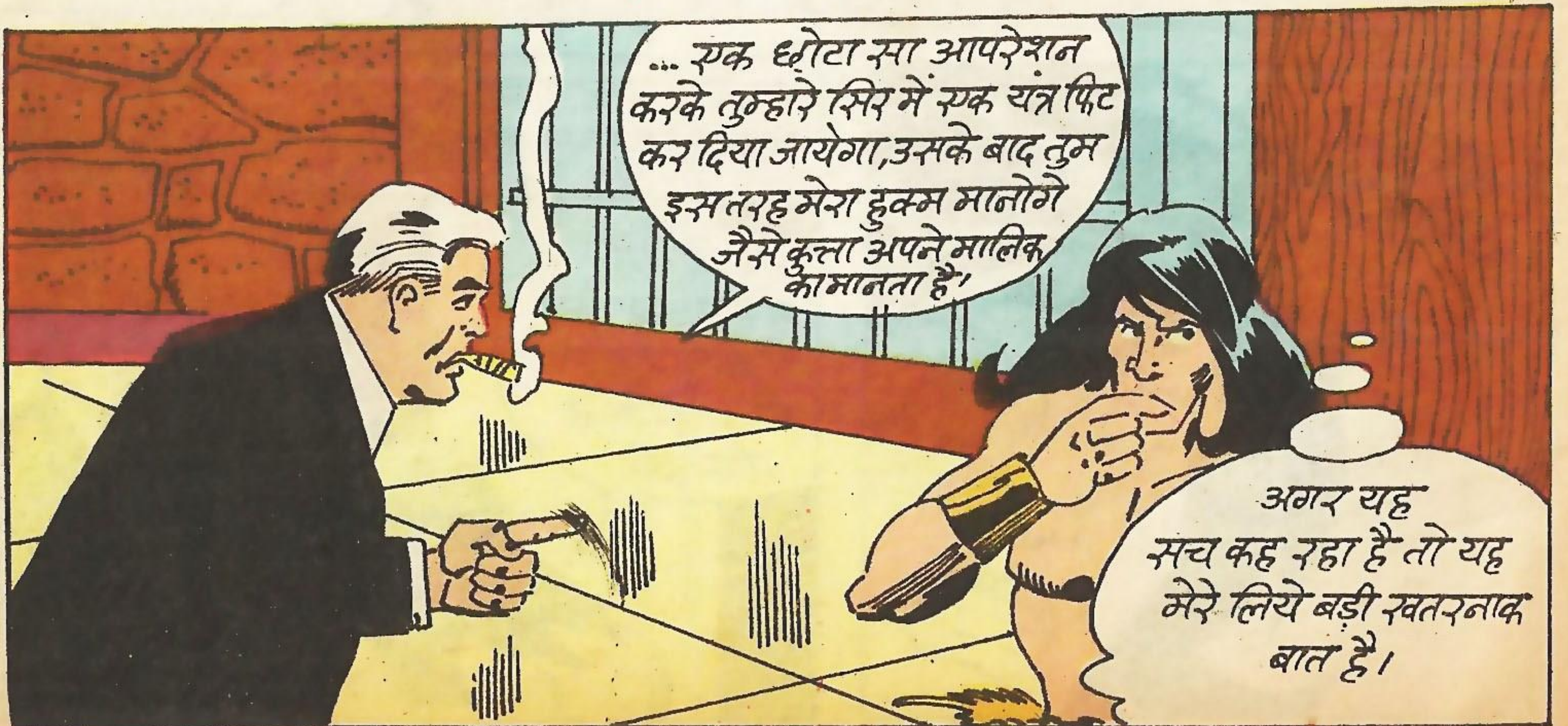
क्यों?

हम यहां तुम्हें अपना गुलाम बनाएंगे। फिर जंगल वापस भेज देंगे ताकि तुम वहां रहकर हमारे लिए जासूसी कर सको।



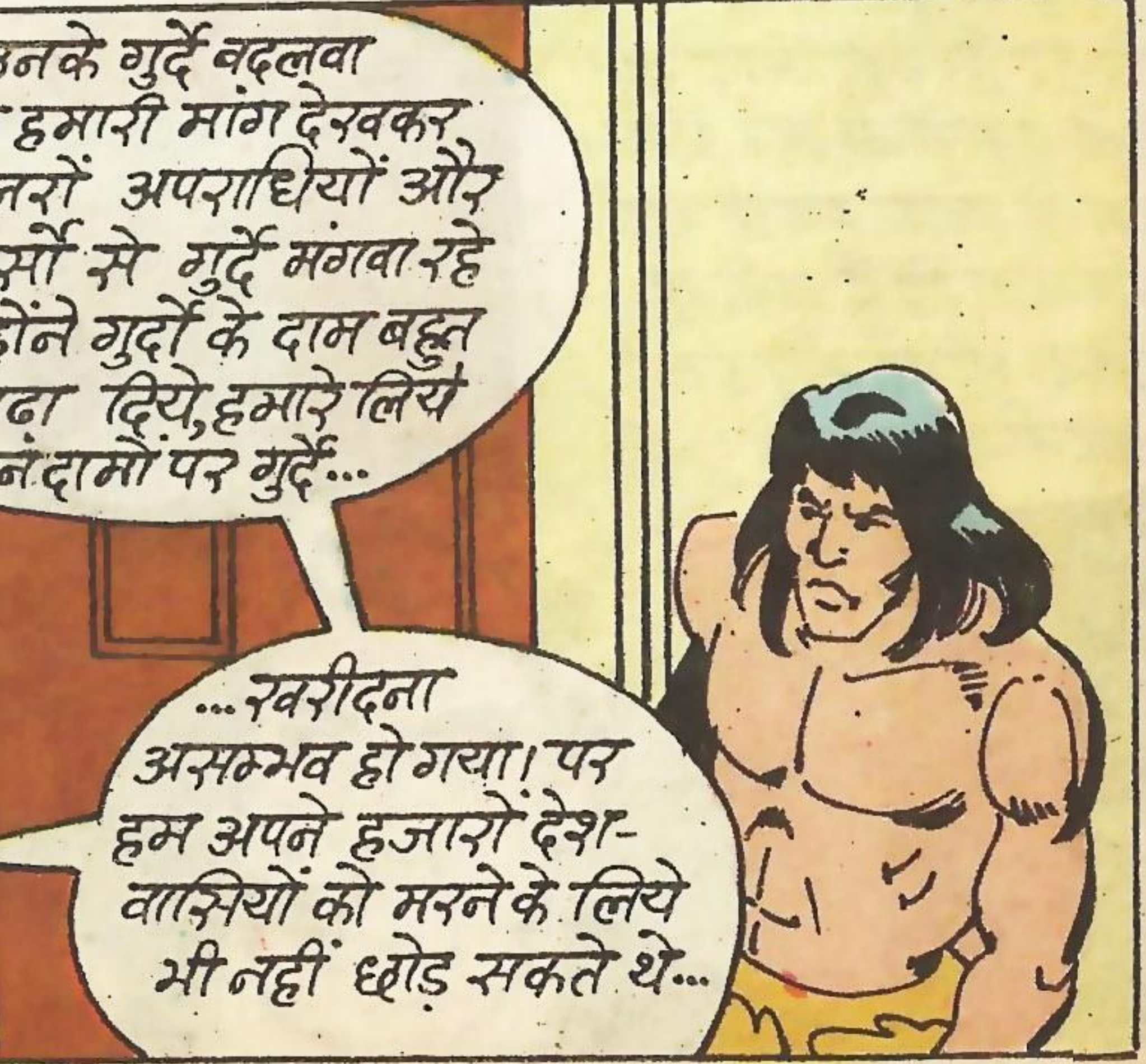
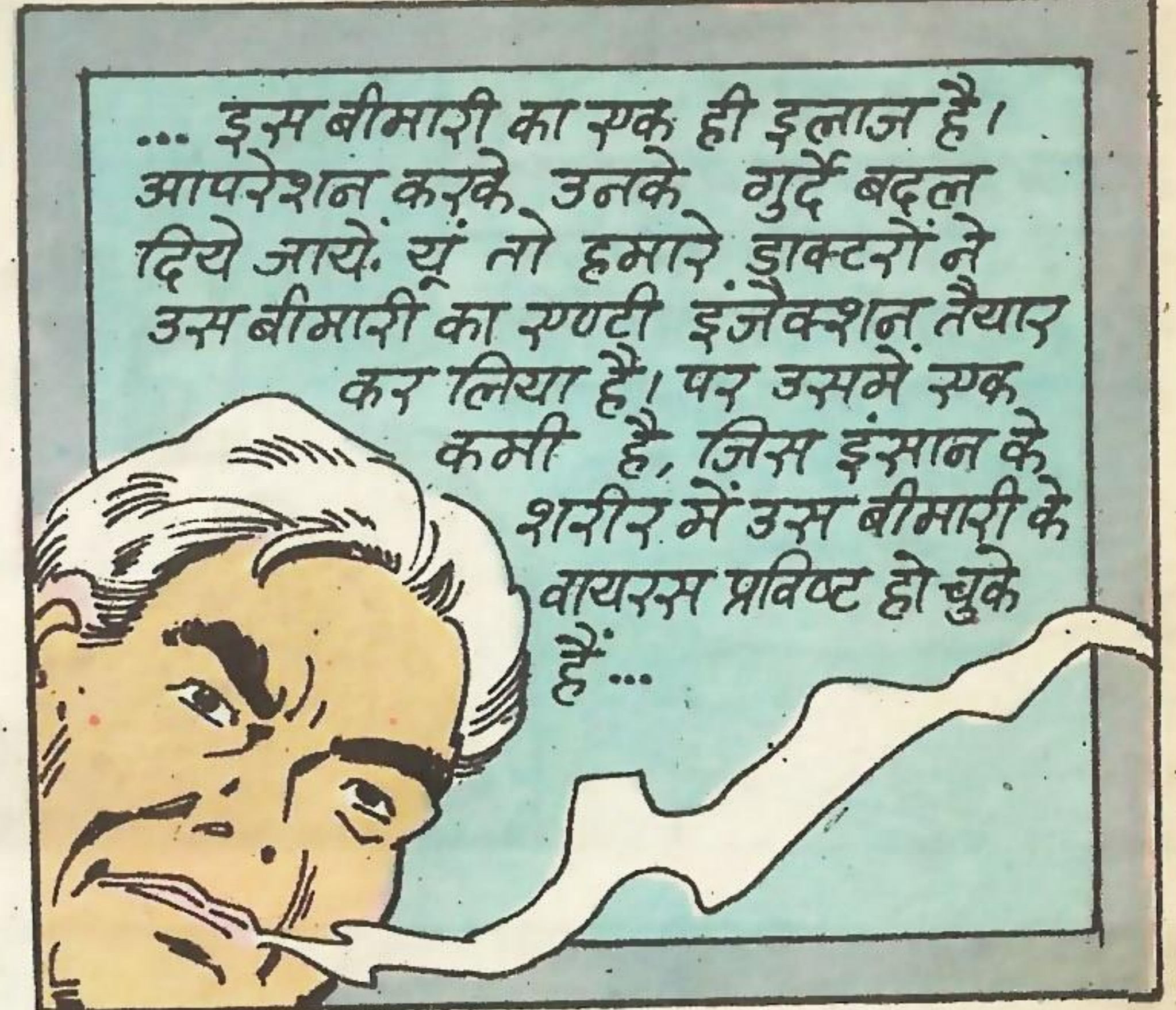
शाका को गुलाम बनाना असम्भव है।

आज के वैज्ञानिक युग में कुछ भी असम्भव नहीं रहा।



... एक छोटा सा आपरेशन करके तुम्हारे सिर में एक यंत्र फिट कर दिया जायेगा, उसके बाद तुम इस तरह मेरा हुक्म मानोगे जैसे कुत्ता अपने मालिक का मानता है।

अगर यह सच कह रहा है तो यह मेरे लिये बड़ी खतरनाक बात है।





...हमने गुर्दों के इंतजाम के लिये एक प्लान बनाया और अपने आदमियों के साथ डाक्टरों की एक टीम जंगल में भेज दी!

ओह. अब समझा! आपरेशन के बहाने वह लोग गुर्दें निकाल रहे थे!



हां!

इसका मतलब पेट दर्द की बीमारी भी तुम्हारी ही चाल थी ?



हां! हमारे बे-आवाज हैलीकाप्टर ने वहां पेट में दर्द पैदा करने वाली गैस से भरे हजारों कैप्सूल टपका दिये थे। जिससे वहां के लोगों में भयानक पेट दर्द शुरू हो गया।

कितने नीच हो तुम लोग. अपने लोगों को जिन्दा रखने के लिये उन सीधे-साधे जंगलियों की जान से खेल रहे हो?



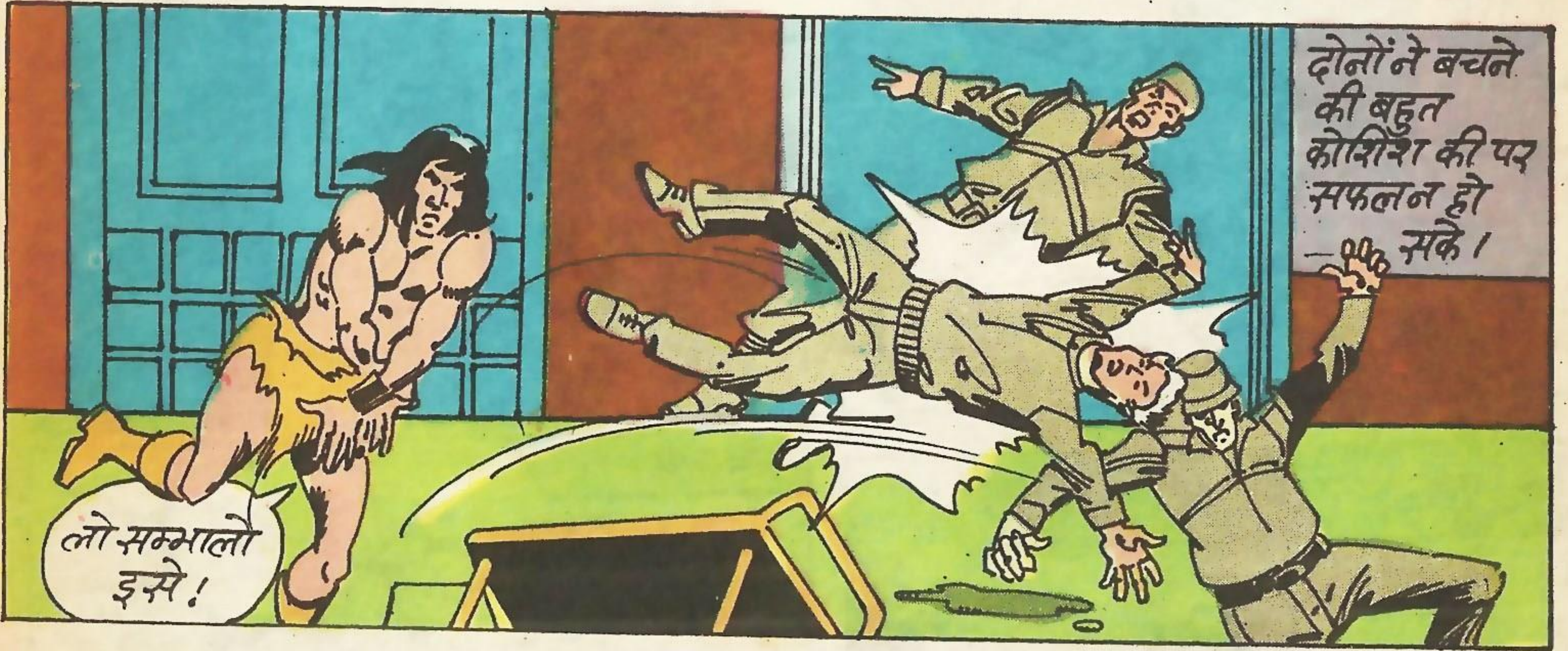
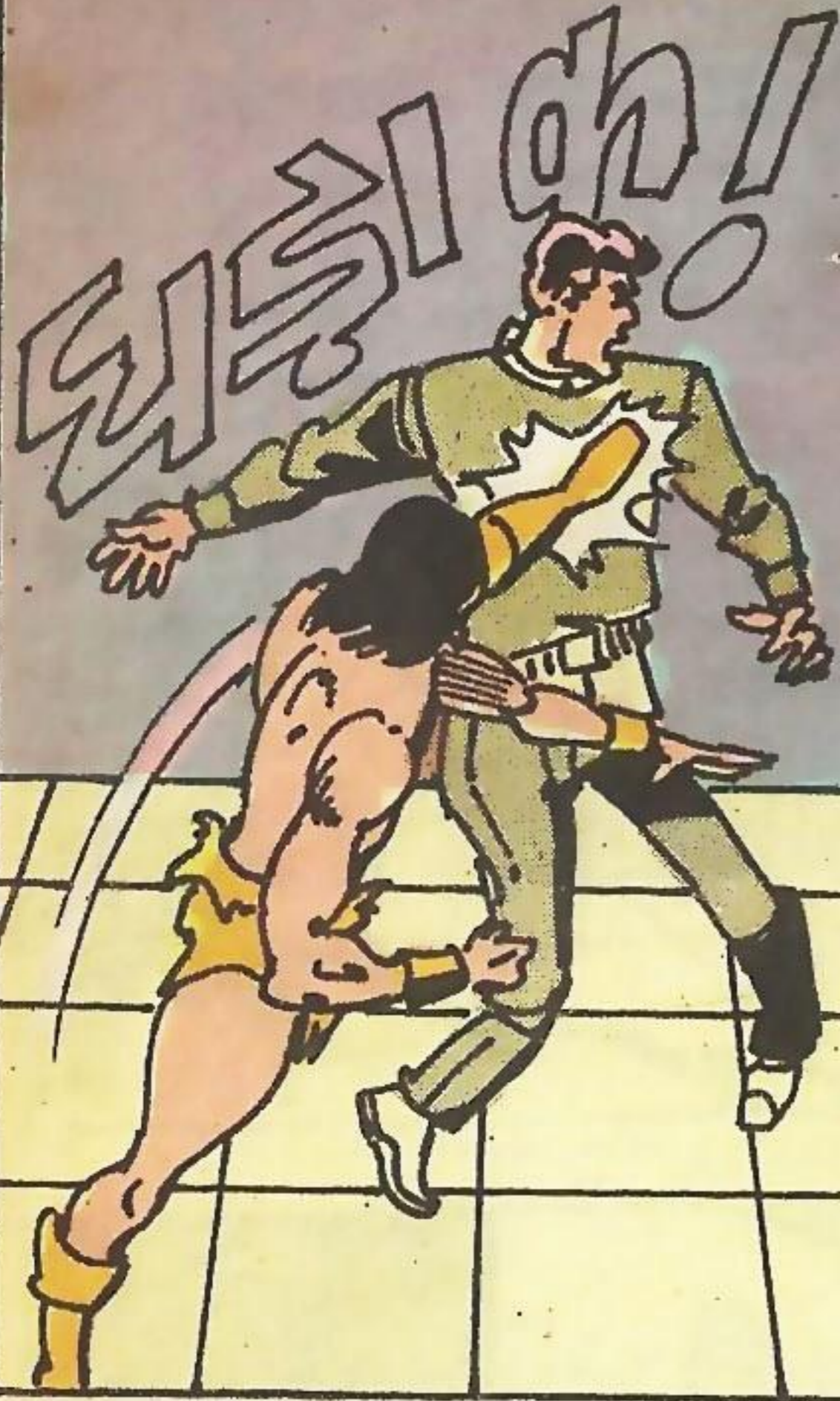
यह तो दुनिया का दस्तूर है। खुद जिन्दा रहना है तो दूसरों को मार डालो। हम तो उनका एक ही गुर्दा निकलवा रहे हैं ताकि वह जिन्दा भी रहें और हमारे आदमी भी बच जायें।

मुझे किसी भी तरह यहां से निकलना होगा ताकि जंगल पहुंच कर उन लोगों को रोका जा सके, वरना वह सैकड़ों जंगल वासियों के गुर्दें निकाल लेंगे।



ड्रांली वाला उसे पकड़ने के लिये झपटा। पर —

इस बीच दोनों गार्ड संभल गये।



दोनों ने बचने की बहुत कोशिश की पर सफल न हो सके।

अगले ही पल—





जैसे ही उसने कमरे से बाहर कदम रखा बाहर खड़े गार्डों को भी ठिकाने लगा दिया—



फिर वह उठकर गैलरी के मोड़ की ओर भागा।



भागता हुआ शाका लिफ्ट तक पहुँच गया।

कहीं इसके अन्दर मेरे स्वागत के लिये गार्ड तो नहीं।

LIFT



उसने फुर्ती से लिफ्ट का दरवाजा खोला और साइड में हो गया।



तड़ तड़ तड़

अगले ही पल-

आह! आह!



वह लिफ्ट में प्रविष्ट हुआ।

इसका प्रयोग करना ठीक नहीं, अगर इन लोगों ने इसकी केबल स्प्लाई बंद कर दी तो मैं बीच में ही फँस कर रह जाऊंगा।

NO SMOKING

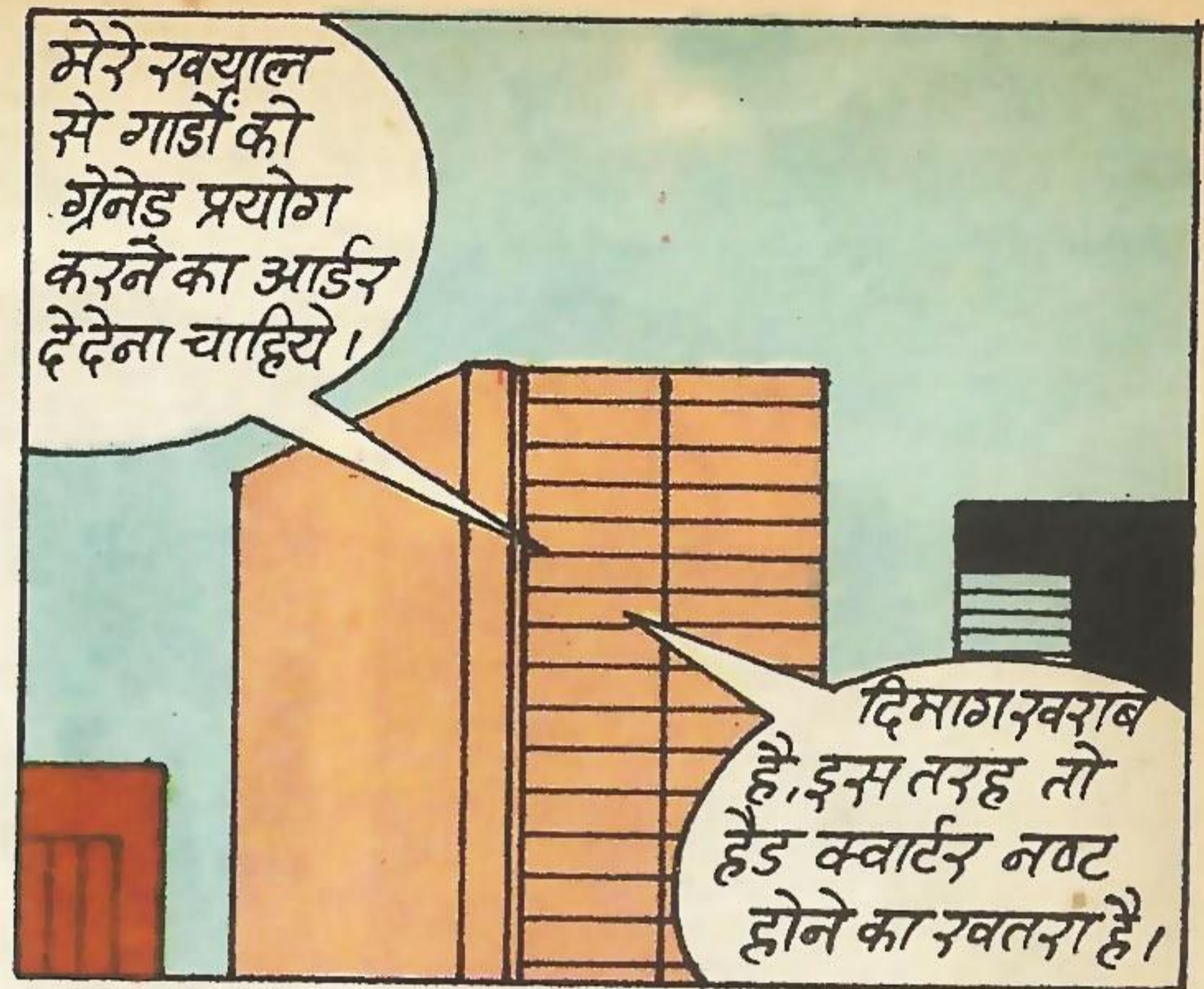


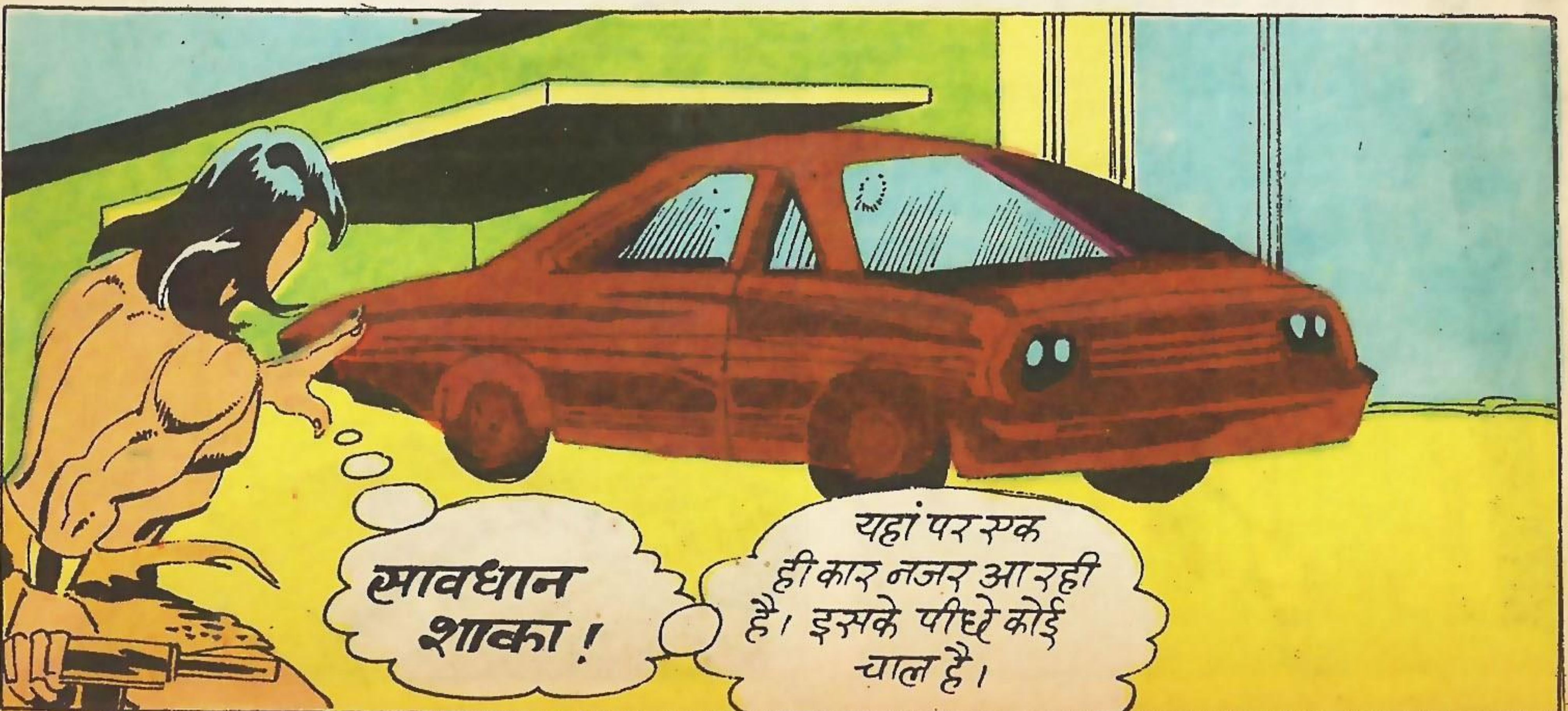
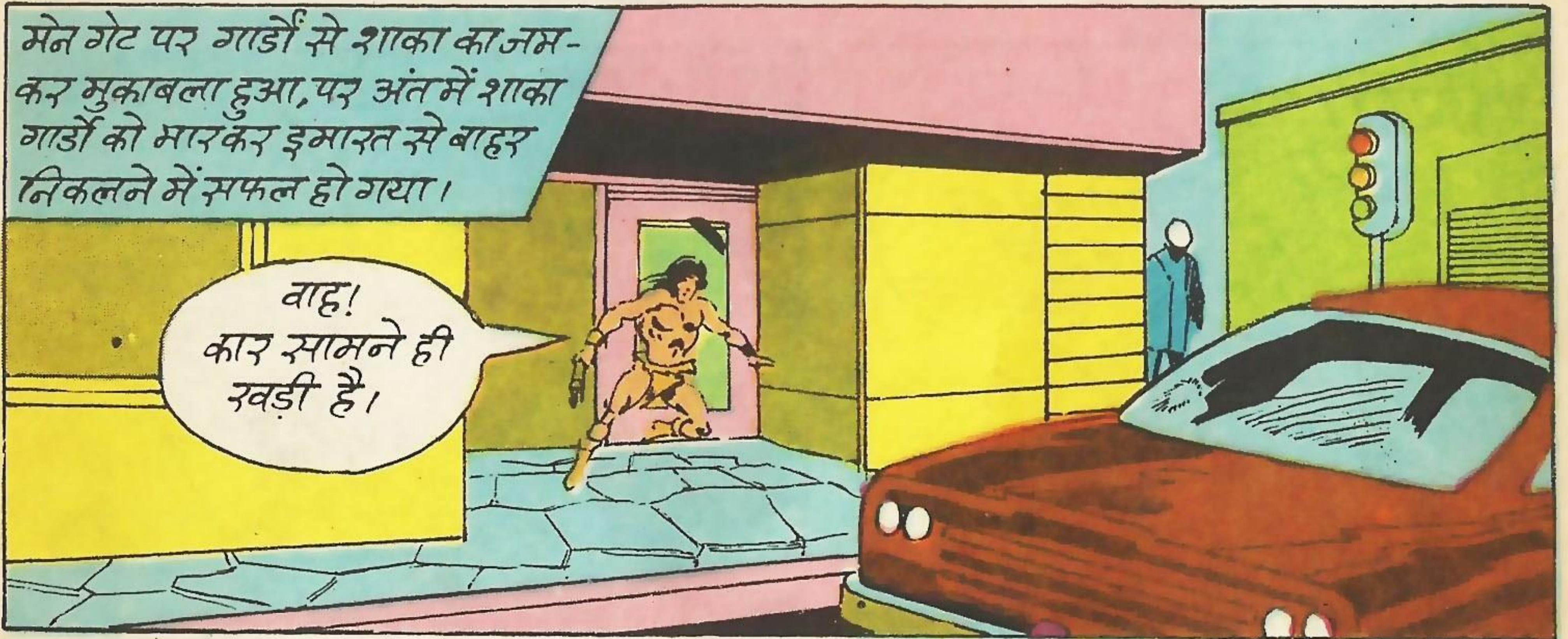
वह लिफ्ट से बाहर आ गया।



पता नहीं सीढ़ियाँ किधर हैं?







चीफ! कार स्टार्ट करते ही उसके चिथड़े उड़ जायेंगे।



अरे... वह तो सड़क की ओर भाग रहा है।



वह अपनी यह चाल ही भाष गया है चीफ!

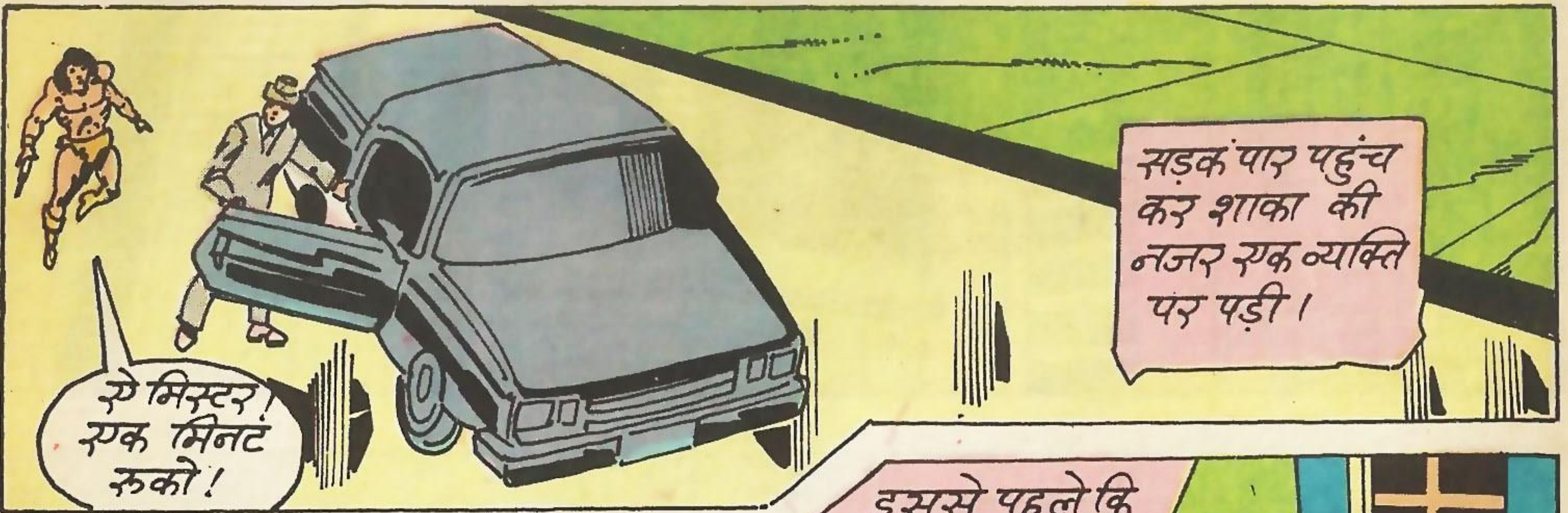
फायर!

भून डालो उसे. बच कर न जाने पाए।



अगले ही पल—



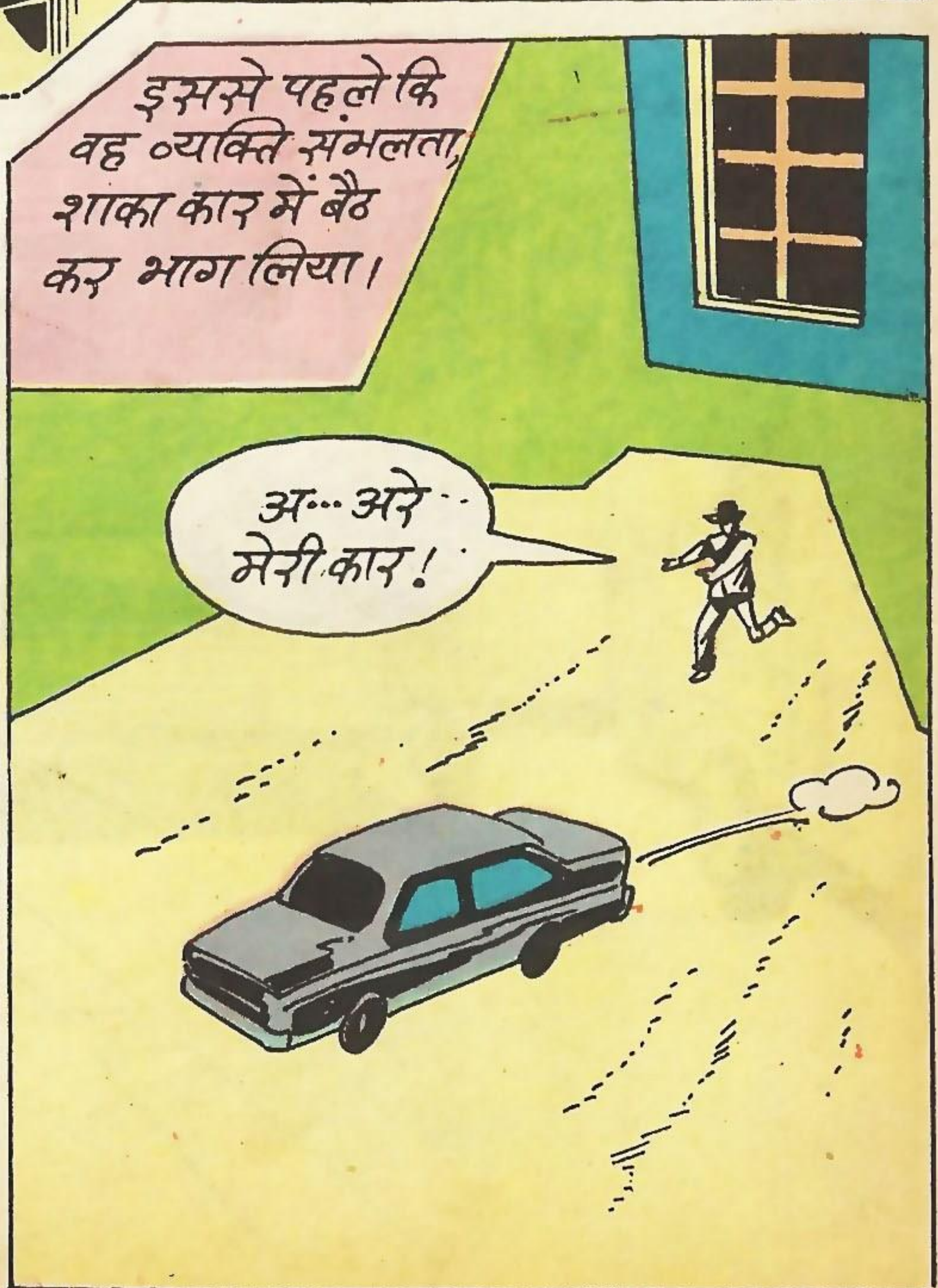


सड़क पार पहुंच कर शाका की नजर एक व्यक्ति पर पड़ी।



वह व्यक्ति जैसे ही पलटा—

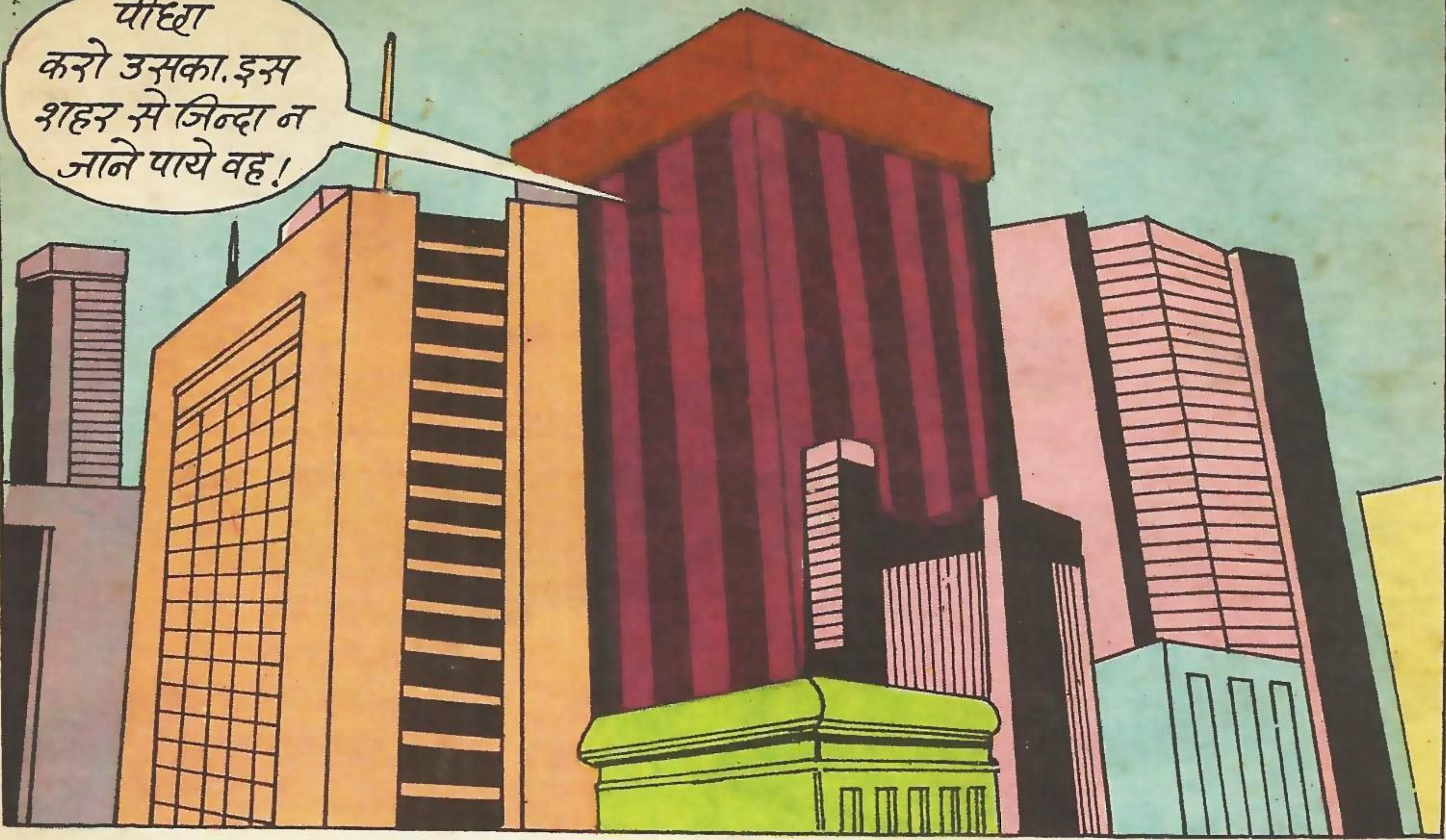
आह



इससे पहले कि वह व्यक्ति संभलता, शाका कार में बैठ कर भाग लिया।

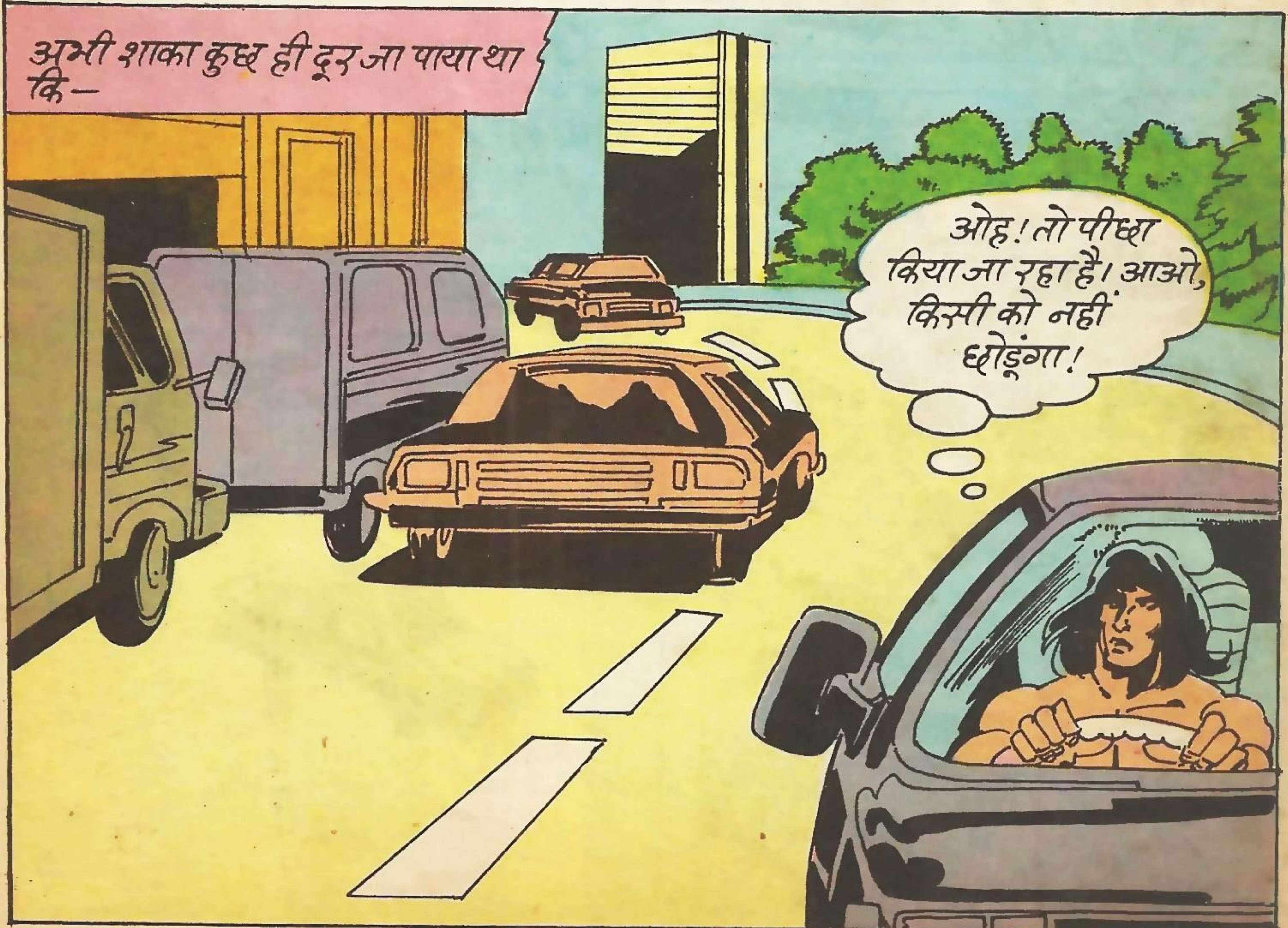
अ... अरे... मेरी कार!

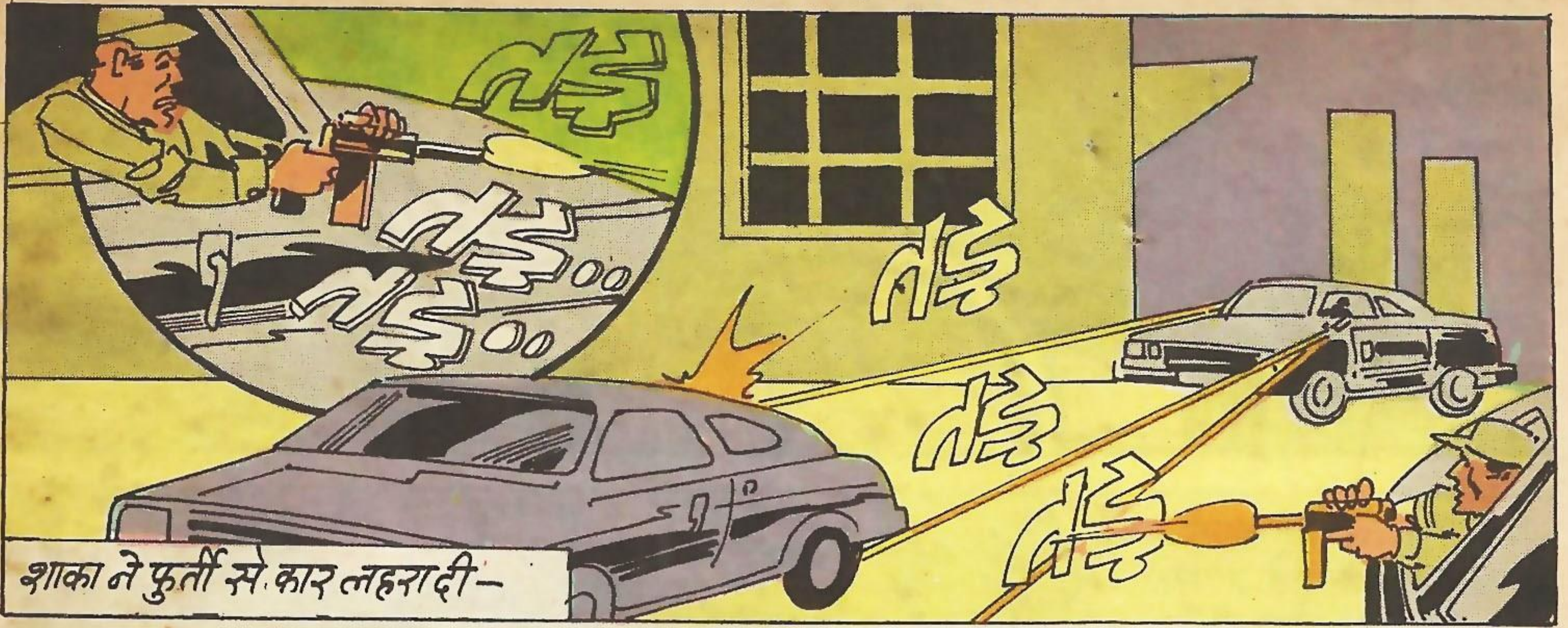
पीछा
करो उसका. इस
शहर से जिन्दा न
जाने पाये वह!



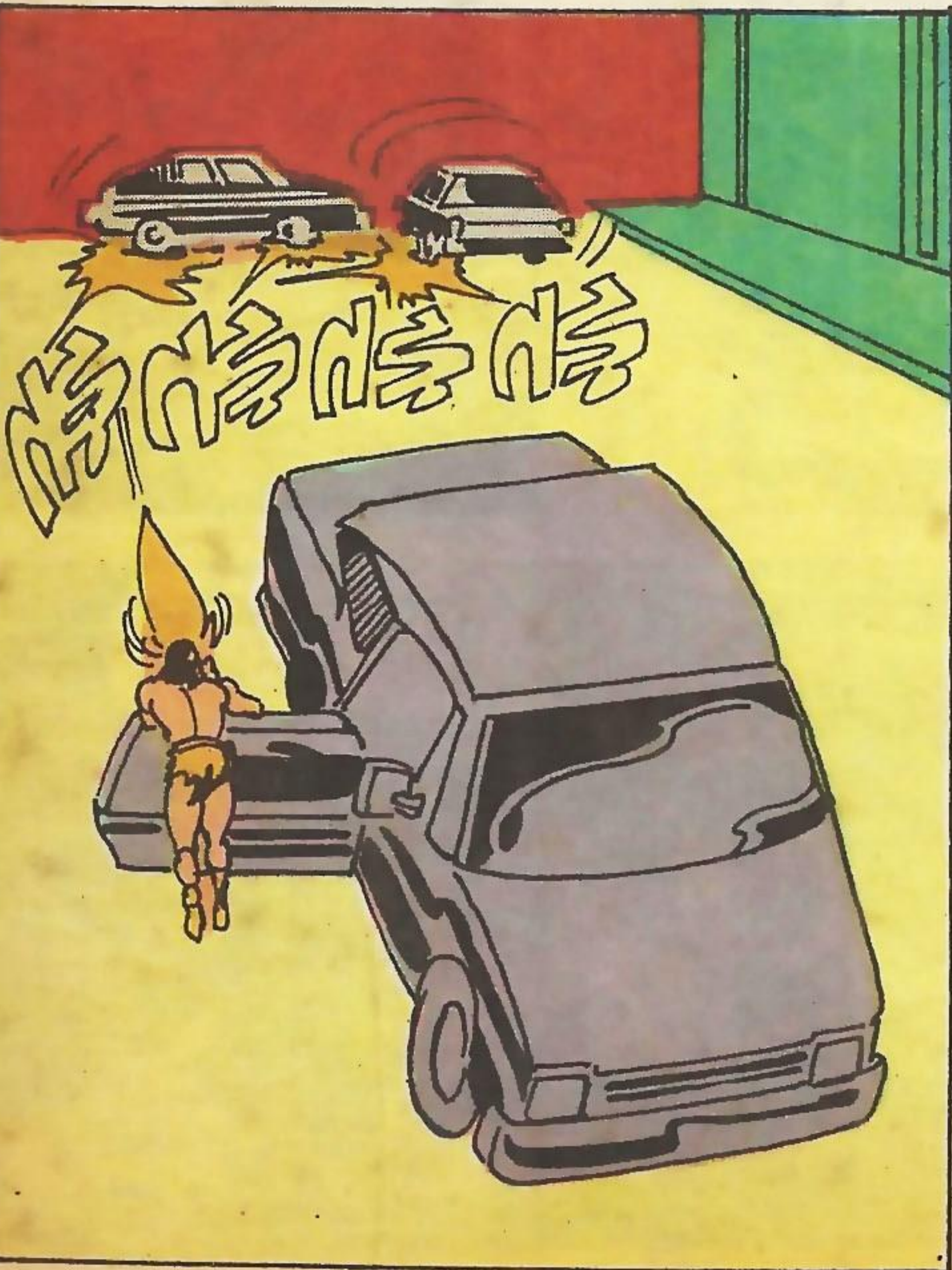
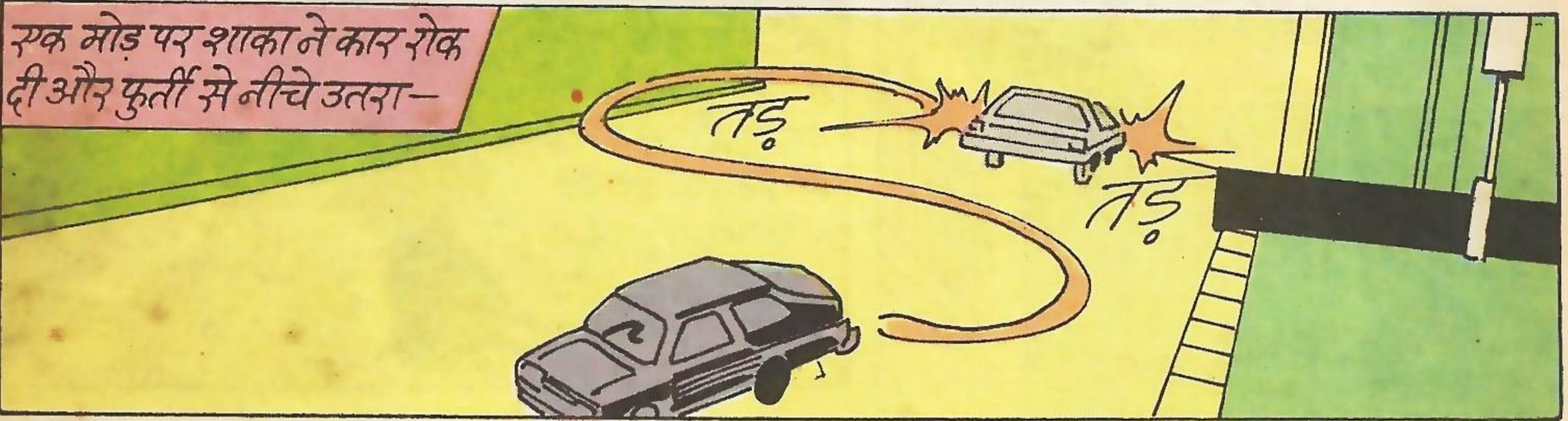
अभी शाका कुछ ही दूर जा पाया था
कि—

ओह! तो पीछा
किया जा रहा है। आओ,
किसी को नहीं
धोड़ूंगा!





एक मोड़ पर शका ने कार रोक दी और फुर्ती से नीचे उतरा-



तेज रफ्तार से दौड़ती करें टायर फटने से काबू से बाहर हो गईं।





शाका कार में बैठकर वहां से चल दिया।

मुझे अब इस कार से धुत्कारा पा लेना चाहिये, वरना मैं फंस जाऊंगा।



पांच किलोमीटर आगे जाकर उसने एक गली के सामने कार रोक दी और नीचे उतरकर गली में भागता चला गया।

इस देश से बाहर कैसे निकला जाये, एयर पोर्ट, रेलवे तथा बस स्टेशन पर तो मुझे घेरने का पूरा इंतजाम हो चुका होगा।



गली पर करके शाका दूसरी ओर सड़क पर निकला।

यह ट्रक लोडिड है और कहीं जाने वाला है। क्यों इसी में बैठकर यहां से निकल जाऊं?



नजर बचा कर शाका ट्रक पर चढ़ गया। कुछ देर बाद ट्रक चल दिया।

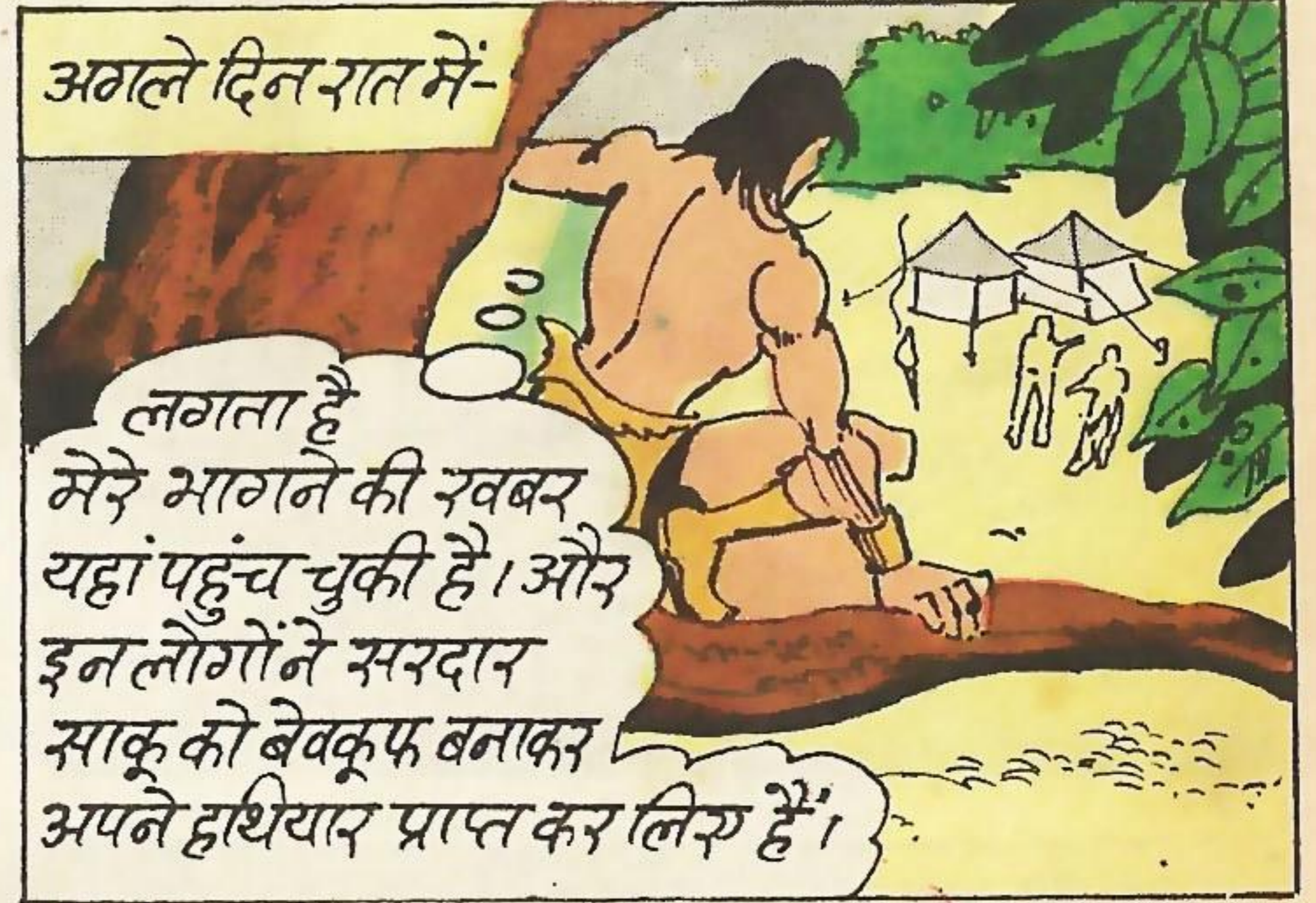
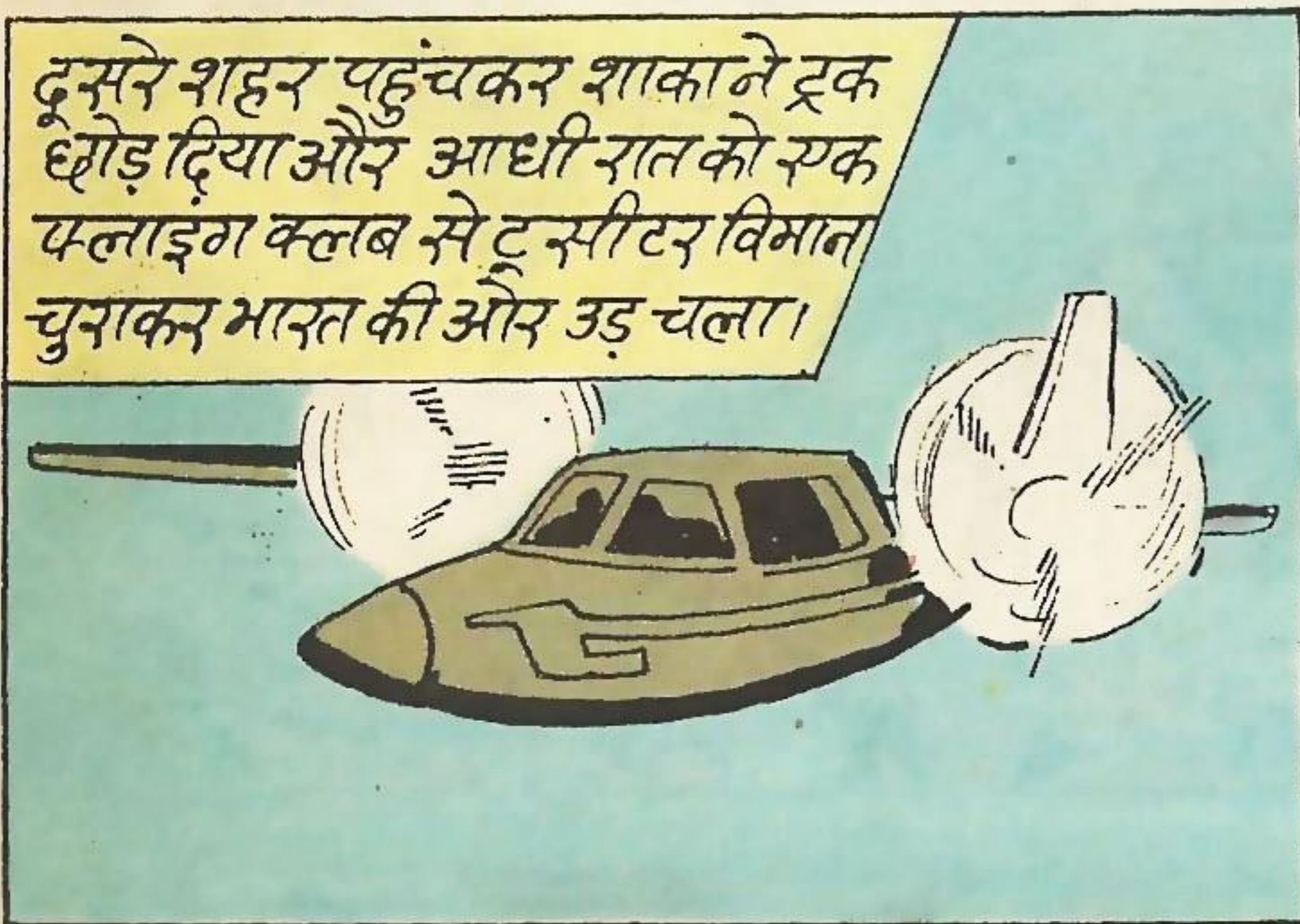
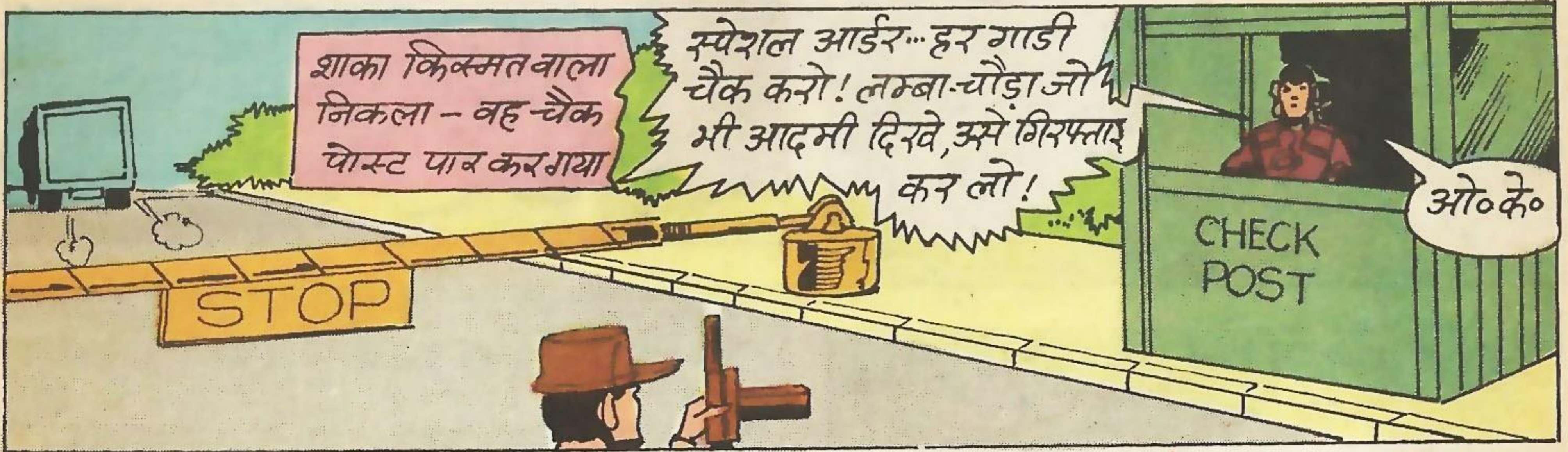
इस शहर से निकल जाऊं फिर भारत पहुंचने में ज्यादा मुश्किल नहीं होगी।



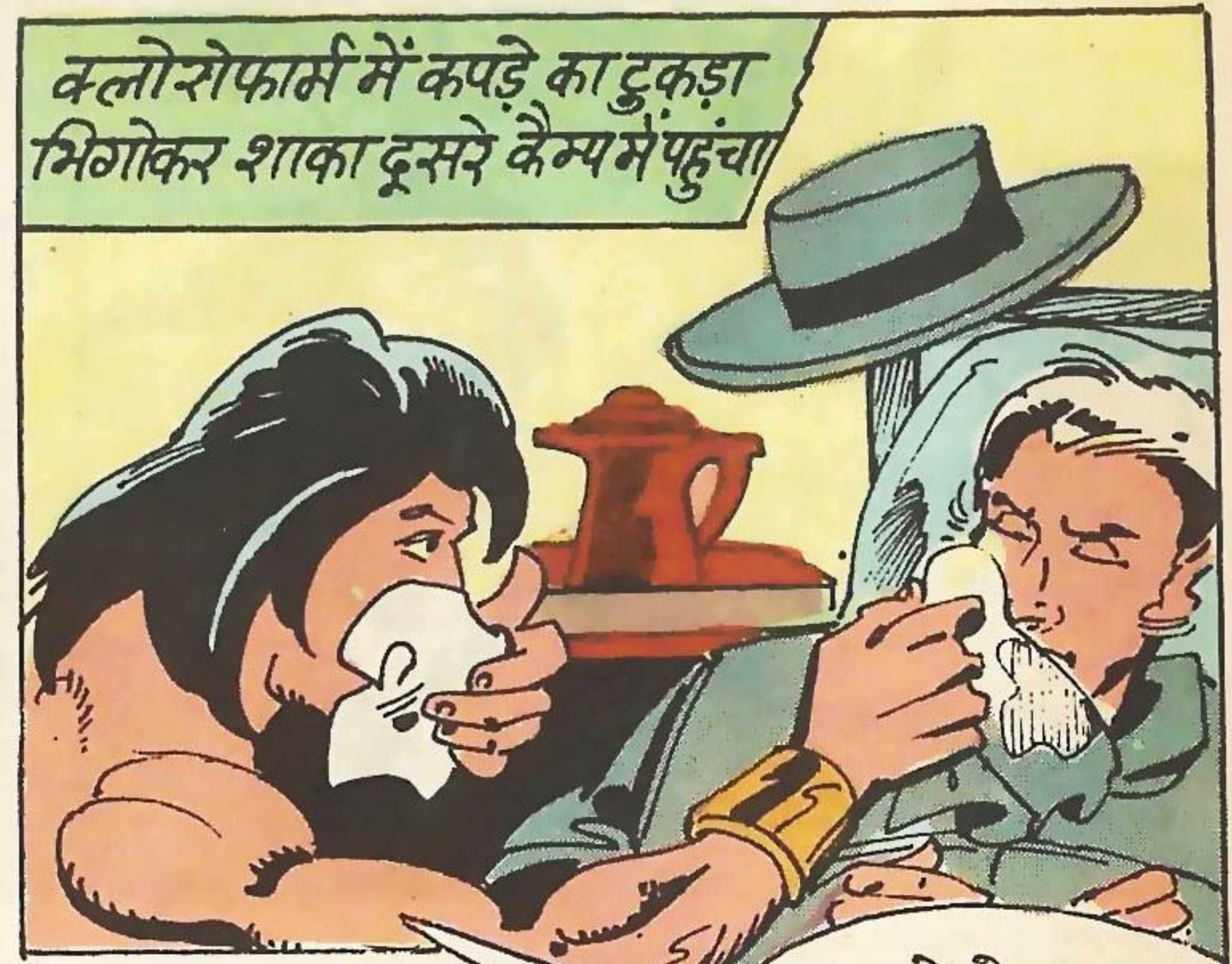
एक घण्टे बाद—

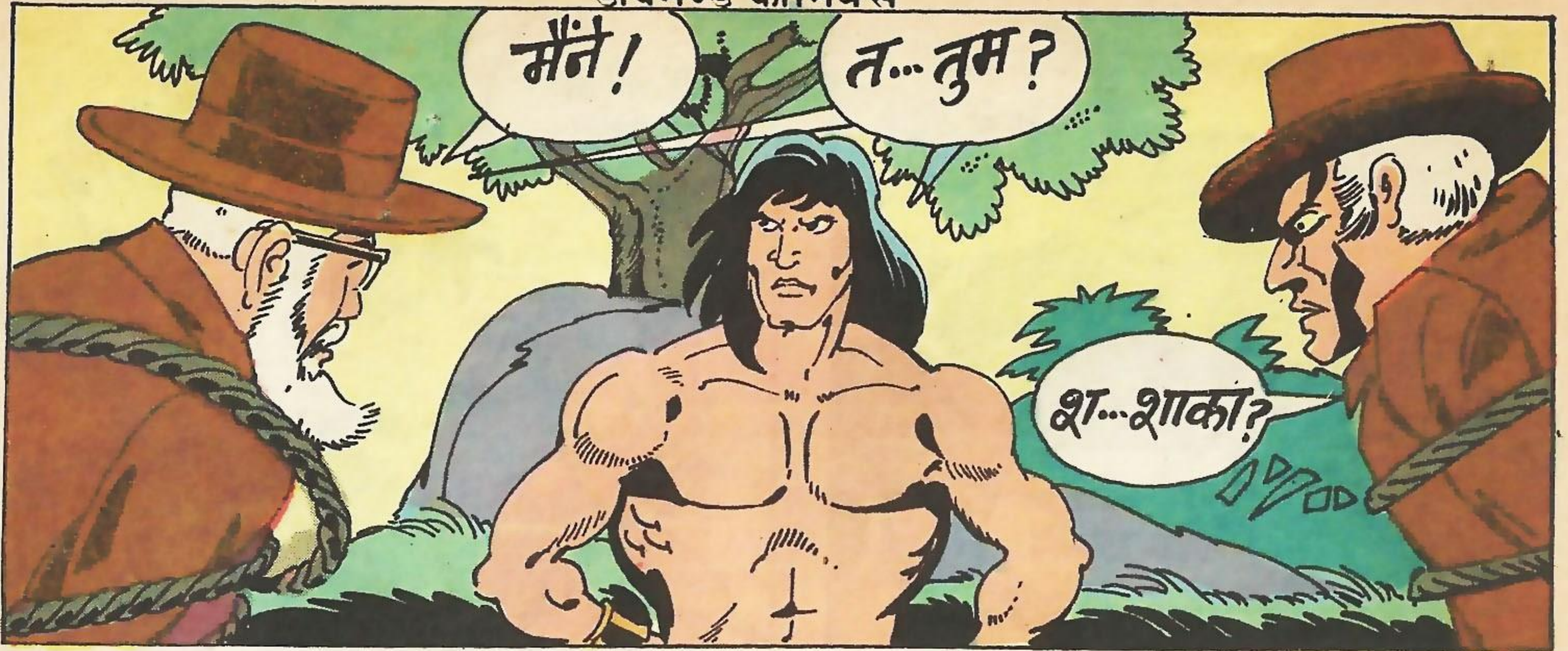
हैलो हार्डी, चीफ स्पीकिंग, शाका हैड-क्वार्टर्स से भाग निकला है।

व्हाट?









श...शाका?



शाका ने डाक्टरों को आजाद कर दिया।



साठ व्यक्तियों का आपरेशन करके गुर्दे वापस लगाने में डाक्टरों को एक महीना लग गया।

मि० शाका!
सभी आपरेशन सफल हुये हैं। अब हमें जाने दीजिये।

ठीक है!
जाओ



डाक्टर सानोमन अपने साथियों के साथ कुछ ही दूर जा पाया था कि—

आइए इ इ

आइए



शाका
घायल नाग और चीते
को जिन्दा धोड़ सकता है,
पर तुम विदेशियों को नहीं।
क्योंकि तुम लोग उनसे
ज्यादा खतरनाक हो!

समाप्त

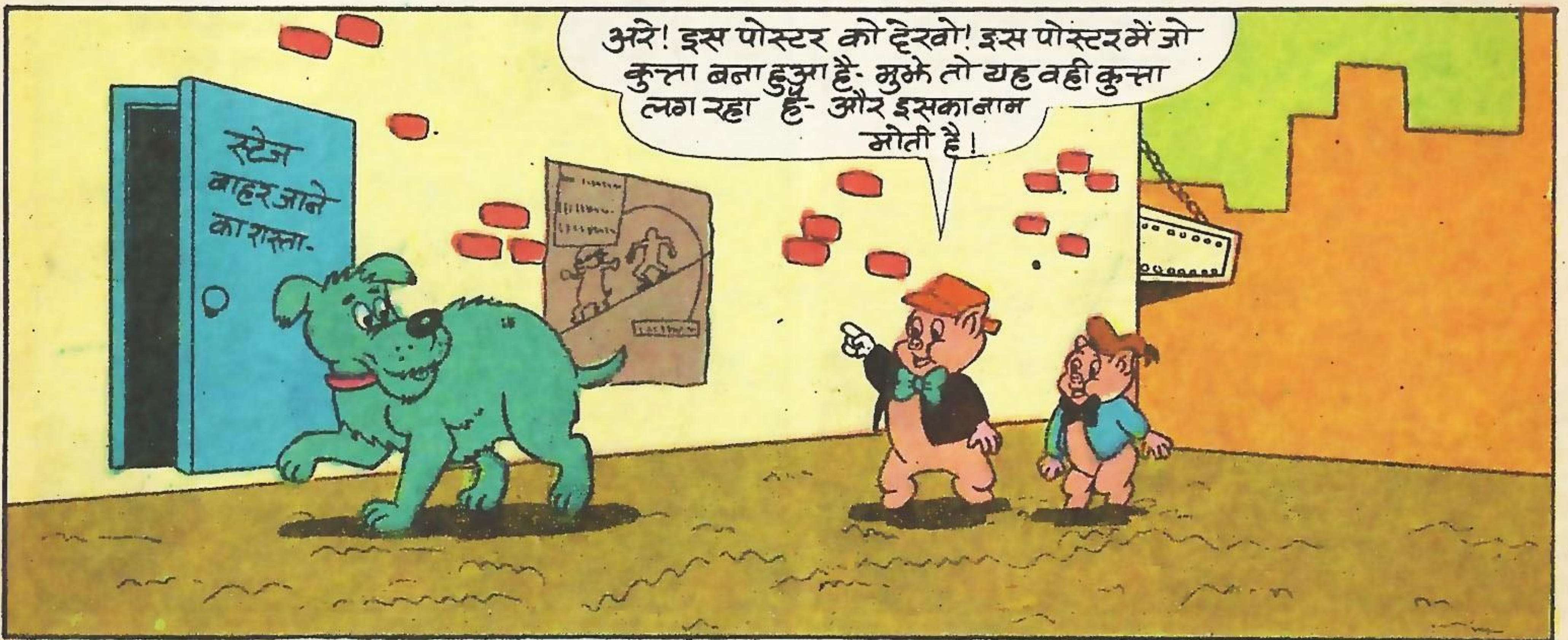
लाजवाब कुत्ता

सम्पादक: गुलशन राय

कथानक व चित्रांकन: विनोद भट्टिया









जिस तरह से यह चुस्ती-फुर्ती दिरवा रहा है और अपने मालिक की खुशबू पहचानने की कोशिश कर रहा है उससे लगता है यह कैसे जल्दी सुलभ जाएगा।



अगर यह बोल पाता तो कितना अच्छा होता ?



दोस्तो! मेरा नाम माया है, और मैं किसी का भी दिमाग पढ़ने में सक्षम हूँ. शायद मैं मोती का दिमाग पढ़ सकूँ ?

अररर बहन जी!



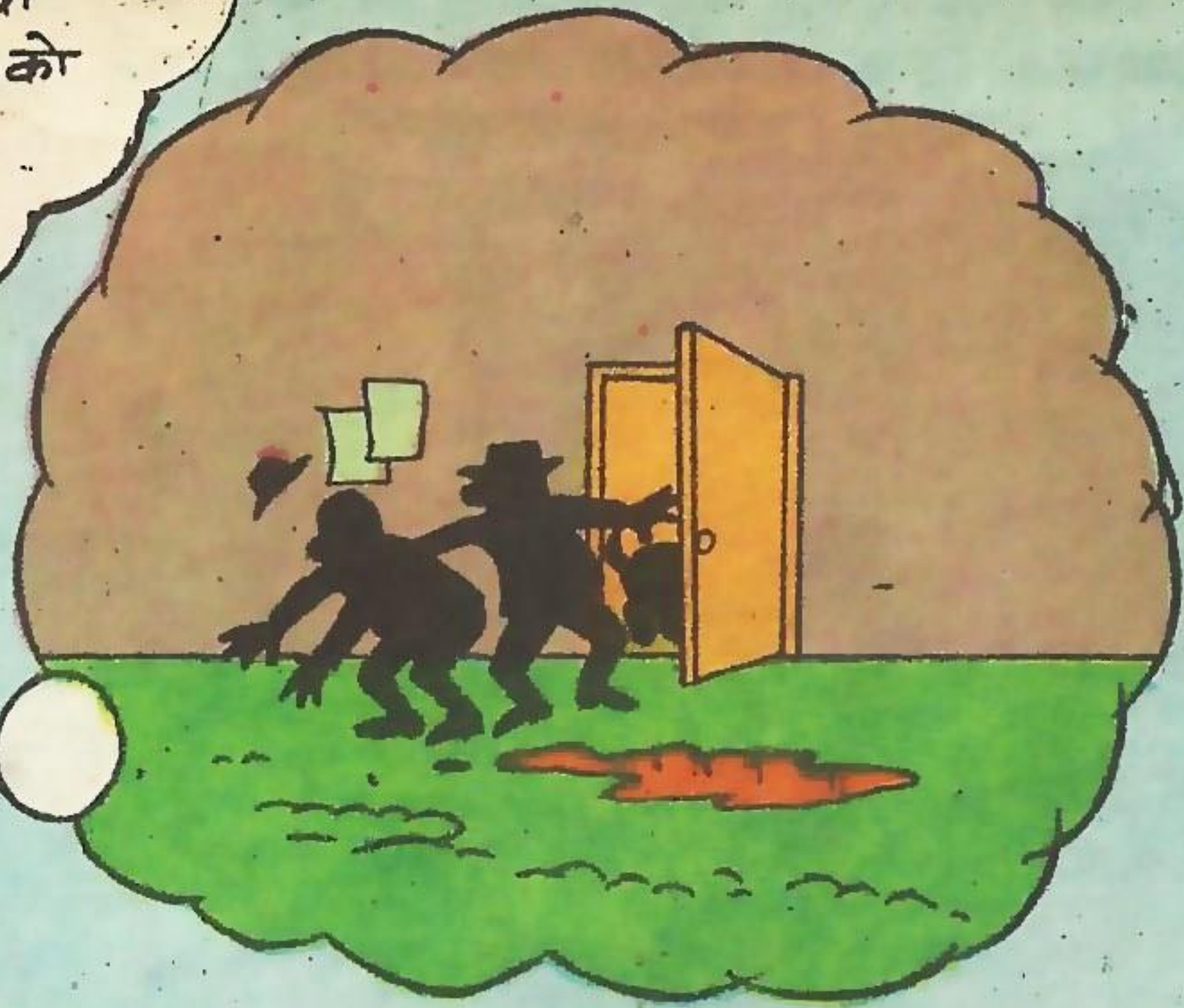
हमें मालूम है दिमाग पढ़ने की बातें सिर्फ कामिक्स में होती हैं. सचमुच में ऐसा कुछ नहीं होता।

रुको!



मैं... मैं मोती के विचारों को पढ़ने की कोशिश कर रही हूँ. वह याद कर रहा है. आज की रात के आखिरी शो के बाद... एक हमला हुआ था ?

उसे एक कमरे में धकेल दिया गया और एक आदमी ने उसके मालिक को पकड़ लिया. जब तक मोती बाहर आता वे लोग जा चुके थे!?



क्या यह सच कह रही है मोती?

बुफ...बुफ...बुफ...
बुफ...

मेरे दिमाग में वह जगह भी आ रही है. कि वह उसे कहां ले गए हैं. शहर के दक्षिणी रोड़ पर....

क्याल है!

आप तो वाकई में दिमाग पढ़ना जानती हैं!

अगर मुझे पता होता कि जासूसी के काम में ऐसी बातें बड़ी काम आती हैं, तो मैं जरूर सीखता.

अगर मोती तुम कहते हैं कि जो उस औरत ने बताया, वह सच है तो हमें जल्दी से दक्षिणी रोड़ पर पहुंचना चाहिए.

बुफ...बुफ...



वह तो अचानक ही मैंने इकबाल मसूद के किसी कलाप को अपनी शिड़की के नीचे होते देख लिया था. इस तरह से मुझे पता था कि क्या हुआ था.

एक बार देख लेने में कोई हर्ज नहीं.

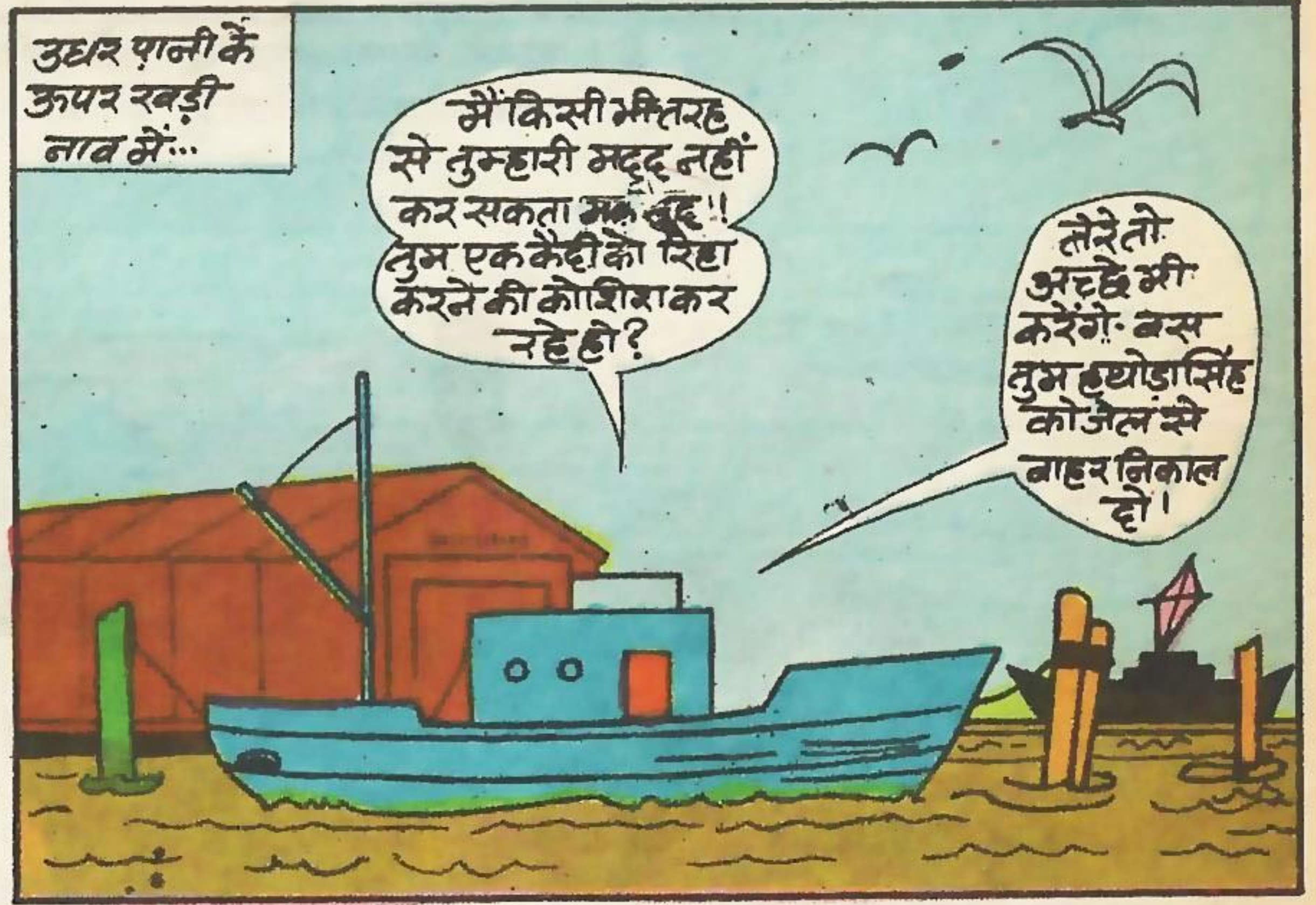
तुम ठीक कह रहे हो!

और मैंने उसे कई बार दक्षिणी रोड़ पर जाते देखा था. क्योंकि वहां समुद्र के बीच उसकी एक नाव है ?



यही समय है कि इकबाल मसूद को उसकी गन्दी हरकतों के लिए कोई सबक सिखाया जाय !

वह हमेशा ही अपने क्लब में काम करने वाले गरीब बाज़ीगरों को परेशान करता रहा है. वह उनकी मजबूरी का फायदा उठाता रहा है।



उधर पानी के ऊपर रबड़ी नाव में...

मैं किसी भी तरह से तुम्हारी मदद नहीं कर सकता मसूद !! तुम एक कैदी को रिहा करने की कोशिश कर रहे हो ?

लेते तो अच्छे भी करेंगे. बस तुम हथोड़ा सिंह को जेल से बाहर निकाल दो।



और यह काम बस तुम ही कर सकते हो. तुम मुझे इन्कार भी नहीं कर सकते.



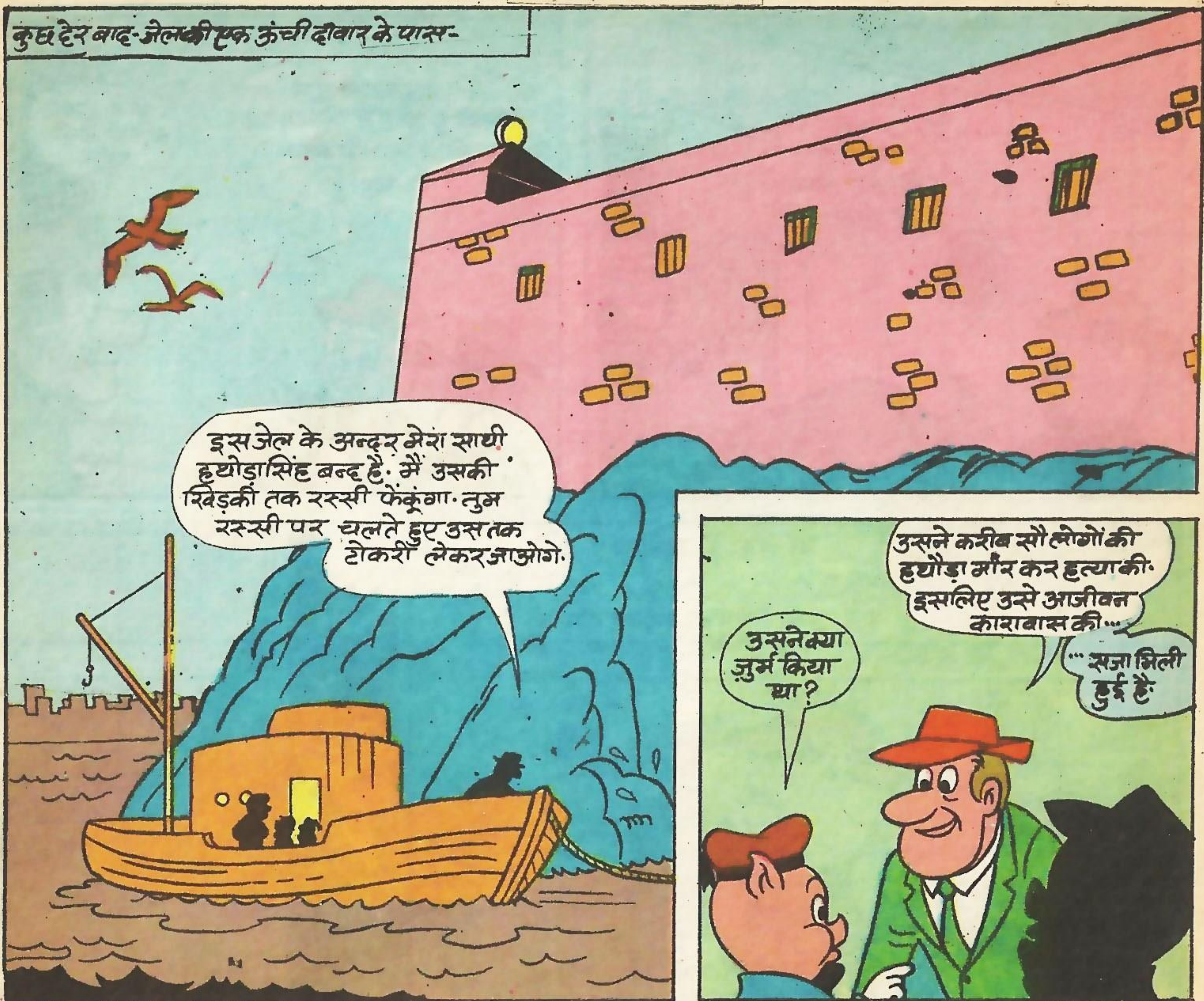
यास ही...

हम अब समुद्र के बीच में आ गए हैं. शायद कोई सूत्र मिल जाए ?





कुछ देर बाद-जेलकी एक ऊंची दीवार के पास-



इस जेल के अन्दर मेरा साथी हथौड़ा सिंह बन्द है. मैं उसकी खिड़की तक रस्सी फेंकूंगा. तुम रस्सी पर चलते हुए उस तक टोकरी लेकर जाओगे.



उसने करीब सौ लोगों की हथौड़ा मार कर हत्या की. इसलिए उसे आजीवन कारावास की...

उसने क्या जुर्म किया था?

... सजा मिली हुई है.

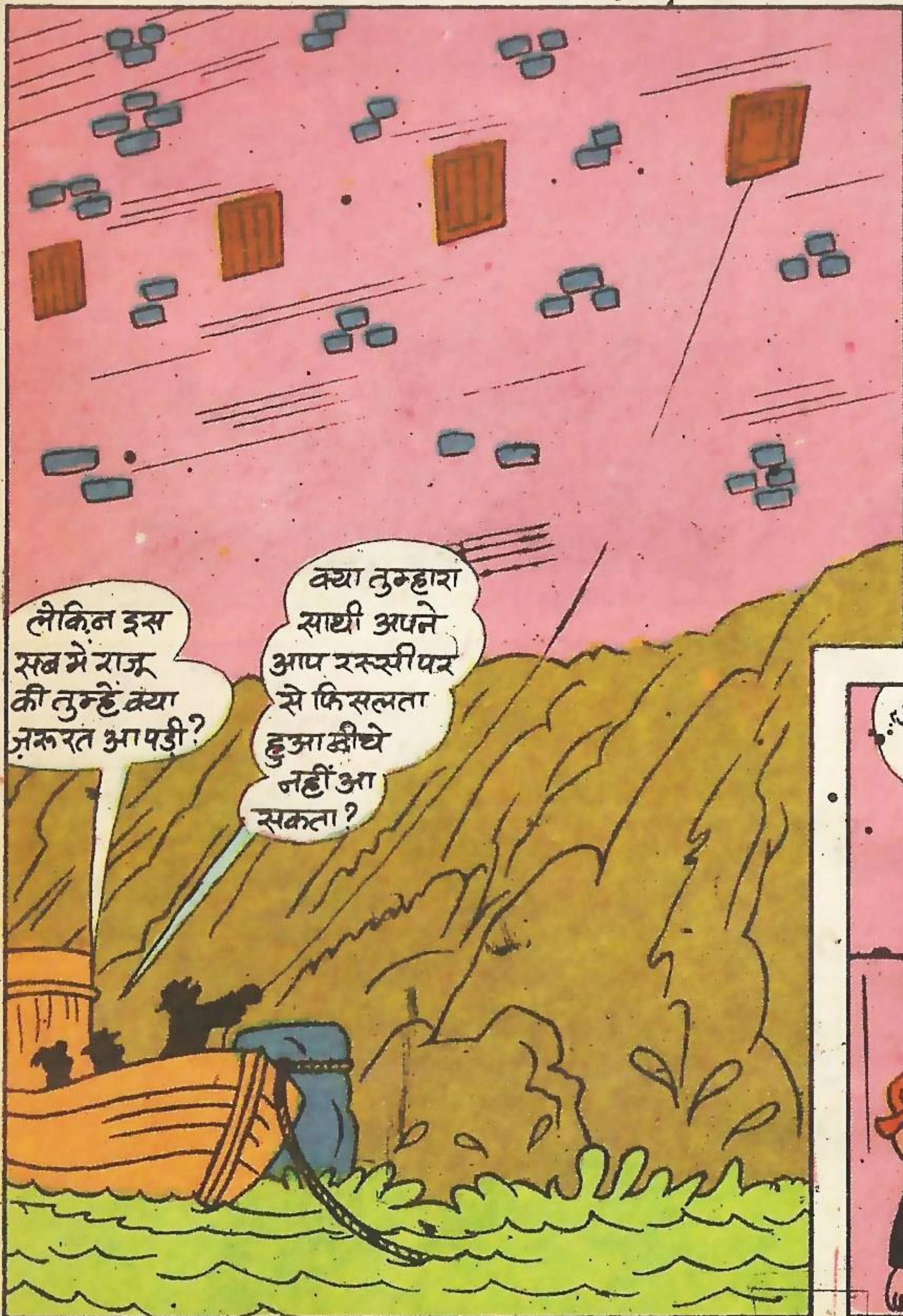


इकबाल मकसूद लोगों की दिरवाने के लिए क्लब चलाता है. वैसे उसका असली काम लोगों की हत्याएं करवाना है ?

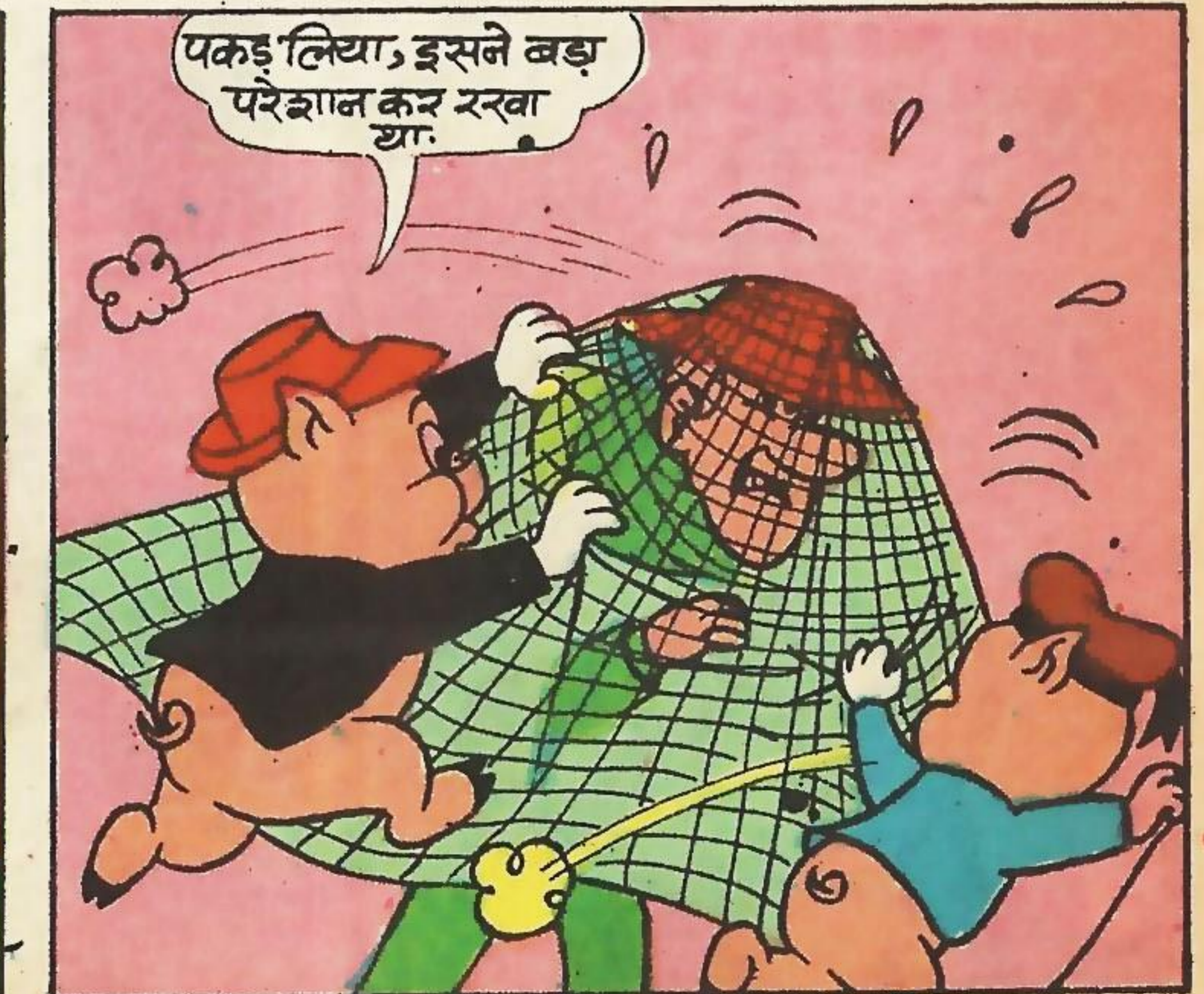
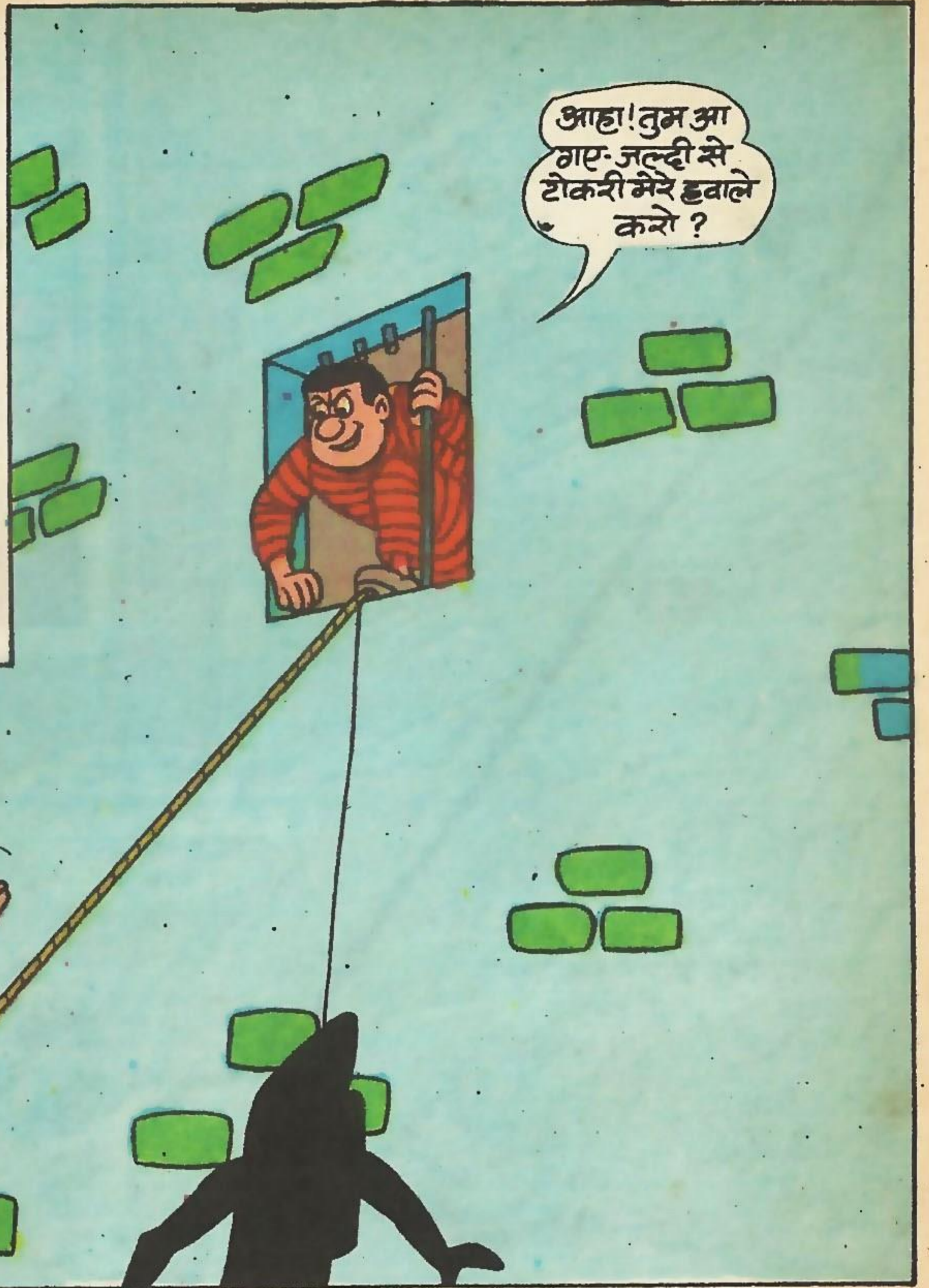
उसे खोल दो अब!

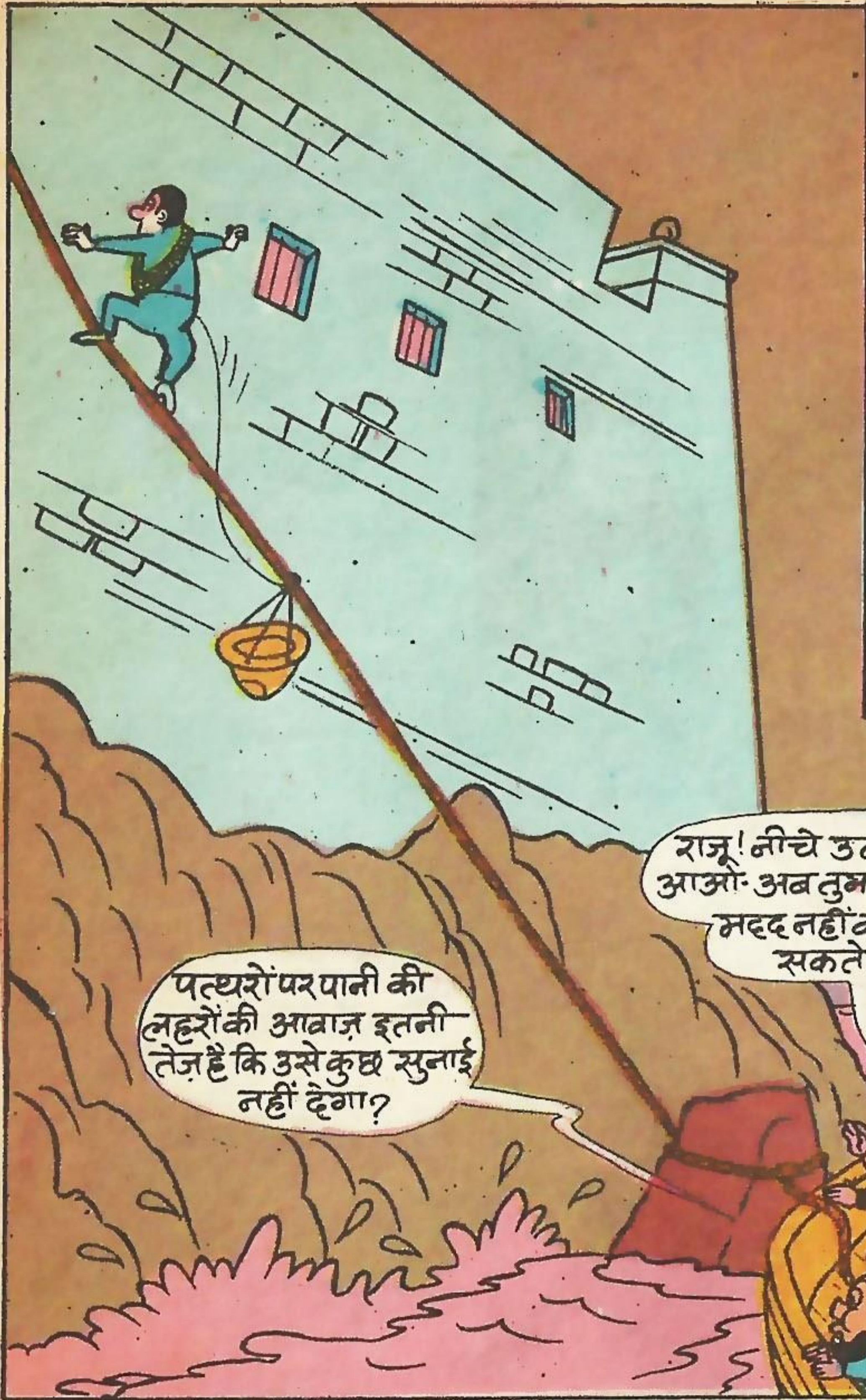


अब देखो मेरा कबाल!









वाह! मोती भी अपने मालिक के पीछे-पीछे उसे लेते रस्सी पर चढ़ गया

बुफ... बुफ...

राजू! नीचे उतर आओ- अब तुम उसकी मदद नहीं कर सकते.

पत्थरों पर पानी की लहरों की आवाज़ इतनी तेज़ है कि उसे कुछ सुनाई नहीं देगा?



काश! राजू पीछे मुड़ कर मोती को देख ले... फिर वह वापस आ जाएगा ?

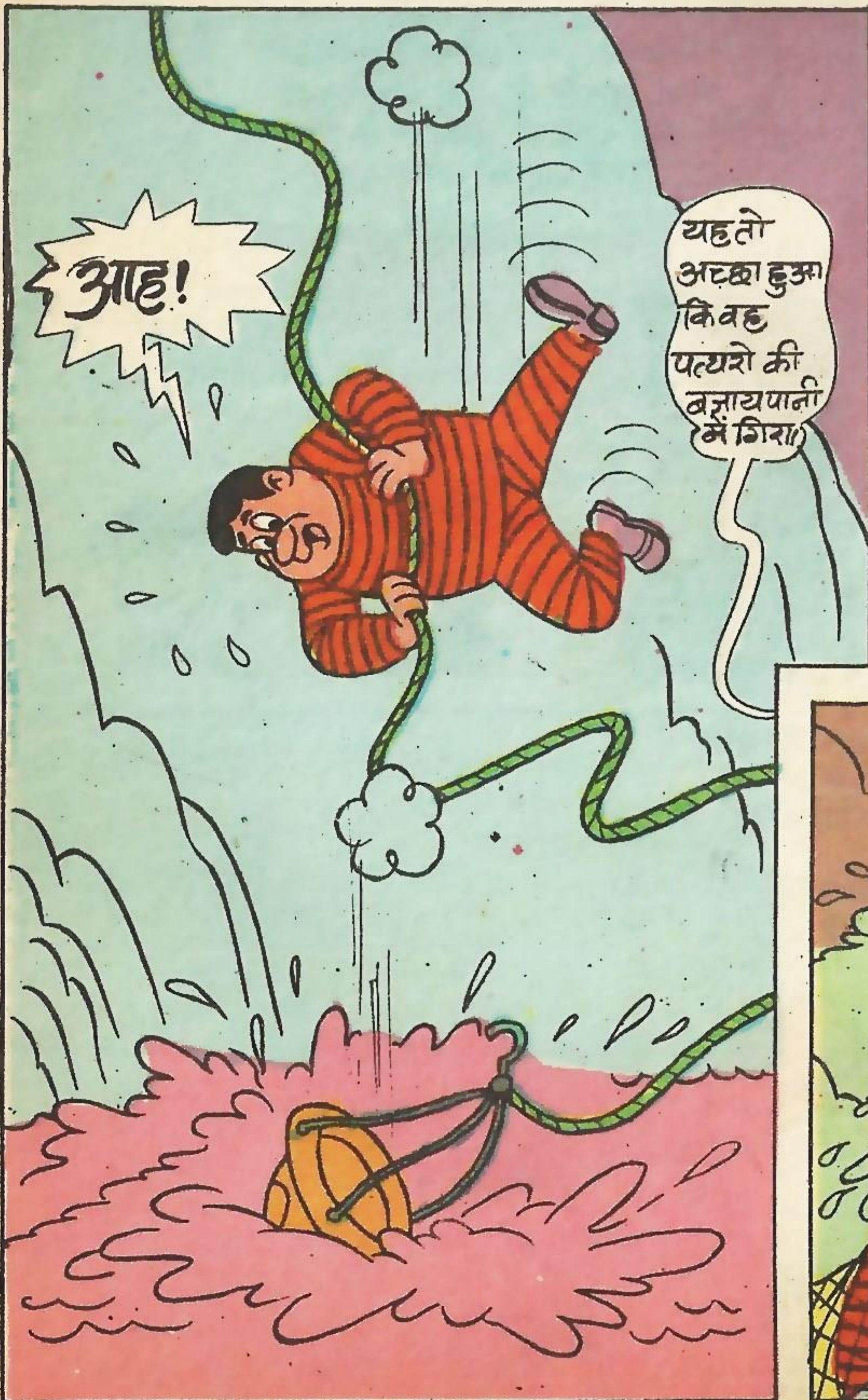


वाह! उसने मोती को देख लिया. अब राजू नीचे आ रहा है !



अरे! हथोड़ा सिंह भी नीचे उतर रहा है ?

आए! अरे! नीचे मत जा मैं गिर जाऊंगा!





रामाप्त

शेर की कहानी स्कशन की जुबानी

कला-हरिचंद्र सक्शन



आज मैं इस आदमखोर शेर को मार कर यहां के गांववालों को इससे मुक्ति दिलावा दूंगा!

वाह! क्या-यम-आज इसका दोप्याज बनाकर खाऊंगा!



ऊई यम... हाव- पैर में जकित कांटा चुभ गया-!



ओह- तो तुम अपने आप ही मेरे कण्ठ में आ गये- मरने के लिए तैयार हो जाओ!

अब ओच-शिकारी की दुम-भ्रम नहीं आती एक निहत्थे, घायल शेर को मारते हुए- पहले मेरे पैर में से कांटा निकाल- फिर मुझे मारना!

ताकि वू मुझे खा जाये!

अरे नहीं चार-कौसी दुश्मनों जैसी बातें करता है- वैरी मुड-चल आ- कांटा निकाल दे!

चल, वायदा किया- पर मेरी भी स्क शर्त है- जैसे तूने स्कशन शूज पहने हुए है- तैसे ही दो जोड़ी स्कशन शूज मुझे भी ला दे- ताकि जंगल में शिकार खेलते हुए फिर कोई कांटा न चुमे!



स्क शर्त पर निकालूंगा- पहले वू वायदा कर कि आज के बाद किसी आदमी को नहीं मारेगा!

मंजूर है!



कुछ ही देर बाद...

शिकारी घुंघर लाल जी की...

जय!



बाई गॉड- यह स्कशन शूज तो वाकई बहुत कमफरटेबल हैं!

स्कशन शूज की बदौलत आज मैं एक हत्य से बच गया!

Presented by [@sdch_club](#)

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkd8puJ1QKrw